दैनिक
एशियन रिपोर्टर
RNI NO. MPHIN/2013/54854
www.asianreporter.online

एशियन रिपोर्टर समूह
Since 1994
मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से प्रकाशित साप्ताहिक एवं दैनिक समाचार पत्र, ई–पेपर, न्यूज़ पोर्टल, और यूट्यूब चैनल से जुड़कर निष्पक्ष, निर्भीक, राष्ट्रवादी पत्रकारिता करें । मध्य प्रदेश के सभी जिलों, तहसीलों और नगरों में संवाददाता नियुक्त करना है।
संपर्क करें
केवल व्हाट्सएप
8349212122

वर्ष : 12, अंक -290 | संपादक : कल्याण मल जैन | भोपाल, बुधवार 13 अगस्त 2025 | प्रधान संपादक : सुश्री मैना जैन | पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपए

'इस्लाम कबूल करो तभी होगी शादी'

● प्रेमी ने धर्म परिवर्तन का डाला दबाव, केरल की छात्रा ने लगा ली फांसी

कोच्चि (एजेंसी)। केरल के एर्नाकुलम जिले में एक हैरान करने वाली घटना घटी है। 23 साल की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। वह टीचर ट्रेनिंग कोर्स कर रही थी। आरोप है कि उसका प्रेमी और प्रेमी के घरवाले उस पर शादी के लिए धर्म बदलने का दबाव बना रहे थे। केरल पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कोठामंगलम की रहने वाली युवती शनिवार को अपने घर पर फांसी के फंदे से लटकी हुई पाई

गई। उसके परिजनों ने आरोप लगाया कि युवती का प्रेमी और उसके रिश्तेदार उस पर शादी के लिए इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव बना रहे थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रेमी ने बनाया इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव– पुलिस के मुताबिक, पुलिस ने शुरू में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में एक कथित सुसाइड नोट बरामद हुआ।

युवती की मां ने क्या कहा ?

महिला ने दावा किया कि पीड़िता ने शुरू में प्यार के चलते (धर्म परिवर्तन के लिए) हामी भर दी, लेकिन बाद में तस्करी से जुड़े एक मामले में आरोपी का नाम सामने आने पर उसने इससे इनकार कर दिया। महिला ने दावा किया कि उसकी बेटी आरोपी युवक से सच्चा प्यार करती थी और वह कथित तस्करी मामले से उसका नाम जुड़ने के बाद भी उससे शादी करने को तैयार थी, लेकिन उसने आरोपी और उसके परिवार को स्पष्ट कर दिया था कि वह धर्म परिवर्तन नहीं करेगी। **पुलिस ने युवती के प्रेमी को हिरासत में लिया–** उन्होंने बताया कि पुलिस ने युवती के प्रेमी को हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने सहित अन्य आरोपों की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता की मां, जो एक घरेलू सहायिका के रूप में काम करती है। उसने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में आरोप लगाया कि आरोपी का परिवार शादी का प्रस्ताव लेकर आया था और उसकी बेटी पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बना रहा था।

राहुल गांधी के 'वोट चोरी' विवाद पर टिप्पणी के बाद कर्नाटक के मंत्री केएन राजन्ना ने इस्तीफा दिया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार में मंत्री के एन राजन्ना ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने वोट चोरी के आरोपों को लेकर अपनी पार्टी के स्टैंड के खिलाफ बयान दिया था। सिद्धारमैया सरकार में सहकारिता मंत्री राजन्ना के बयान का डीके शिवकुमार कैंप ने तीखा विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि पार्टी आलाकमान उनके बयान को देखे। राजन्ना ने कहा था कि लोकसभा चुनावों में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी हमारी पार्टी की सरकार में हुई। उन्होंने सवाल खड़ा किया था कि तब हम कहां थे, हम अब आवाज क्यों उठा रहे हैं। राजन्ना के इस बयान को लेकर कांग्रेस में दरार सामने आई थी। सिद्धारमैया समर्थक माने जाने वाले के एन राजन्ना कर्नाटक में सहकारिता मंत्री की

जिम्मेदारी संभाल रहे थे। राजन्ना अपने साफगोई के जाने जाते हैं। उन्होंने वोट चोरी के आरोपों के मुद्दे पर अपनी खुलकर राय रखी थी जो पार्टी के स्टैंड से बिल्कुल अलग थी।

मतदाता सूची संशोधन के विरोध में विपक्षी सांसदों का मार्च

बैरिकेड कूदकर अखिलेश का धरना; हिरासत में लिए गए राहुल-प्रियंका समेत कई सांसद; बाद में छोड़े गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची संशोधन के विरोध में विपक्षी सांसदों ने संसद भवन से चुनाव आयोग कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला। इस दौरान प्रदर्शनकारी विपक्षी सांसदों को रोकने के लिए परिवहन भवन में पुलिस बैरिकेड्स लगा दिए। यहां उन्हें चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर आगे बढ़ने से रोक दिया गया। पुलिस का कहना था कि विपक्षी सांसदों की ओर से इस मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। पुलिस की ओर से रोके जाने के बाद अखिलेश यादव, महुआ मोइत्रा समेत कई सांसदों ने बैरिकेड्स पर चढ़ने की कोशिश की। कुछ सांसद बैरिकेड्स कूदकर बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे सांसदों को समझाने की कोशिश की, लेकिन जब सांसदों ने सड़क से हटने से इनकार किया तो राहुल-प्रियंका गांधी समेत तमाम नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। हालांकि, बाद में उन्हें छोड़ दिया गया।

- **जयराम :** चुनाव आयोग तक विपक्ष के मार्च पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा, चुनाव आयोग को लिखा मेरा पत्र सीधा था। मैंने साफ–साफ लिखा था कि सभी विपक्षी सांसद संसद से चुनाव आयोग तक शांतिपूर्ण मार्च निकालेंगे। सभी सांसद चुनाव आयोग को एसआईआर के बारे में एक दस्तावेज देना चाहते हैं। यही हमारी मांग थी। मैंने कल शाम यह पत्र लिखा था और 'चुनाव आयोग', जो अब 'चुराओ आयोग' बन गया है, ने मुझे कोई जवाब नहीं दिया।
- **प्रियंका गांधी वाड्रा :** कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हमने हिम्मत की है। सरकार डरी हुई है। सरकार कायर है।
- **राहुल गांधी :** लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हकीकत ये है कि वो बात नहीं कर सकते। सच्चाई देश के सामने है। ये लड़ाई राजनीतिक नहीं है। ये लड़ाई संविधान बचाने की है। ये लड़ाई एक व्यक्ति, एक वोट की है। हम एक साफ–सुथरी मतदाता सूची चाहते हैं। राहुल ने कहा, भारत के लोकतंत्र की हालत देखिए। 300 सांसद चुनाव आयोग से मिलकर एक दस्तावेज पेश करना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी गई। वे डरे हुए हैं। अगर 300 सांसद आ गए और उनकी सच्चाई सामने आ गई तो क्या होगा?

पुलिस बैरिकेड के ऊपर से कूद गए अखिलेश

इस दौरान समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पुलिस बैरिकेड के ऊपर से कूद गए। वे बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाता धोखाधड़ी के आरोपों में विपक्षी गठबंधन के विरोध मार्च के तहत संसद से भारत के चुनाव आयोग तक मार्च कर रहे थे। उन्हें बीच में ही दिल्ली पुलिस ने रोक दिया। इसके बाद अखिलेश बैरिकेड के ऊपर से कूद गए और अन्य साथियों के साथ बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए।

एक सितंबर से निलंबित रहेंगी दिल्ली-वॉशिंगटन उड़ानें, एअर इंडिया ने जारी किया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया ने एक सितंबर 2025 से दिल्ली–वॉशिंगटन उड़ानों को अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की है। यह फैसला विमानों की अस्थायी कमी और पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण लिया गया है। यात्रियों को वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था या पूरा रिफंड दिया जाएगा और वे अन्य अमेरिकी शहरों के जरिए वॉशिंगटन तक पहुंच सकेंगे। एयरलाइन ने एक बयान में सोमवार को यह जानकारी दी।

उ.प्र. में फर्जी अंतरराष्ट्रीय पुलिस

नकली वर्दियां-विदेश में फंसे लोगों को लाने का झांसा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पिछले महीने पुलिस ने एक अवैध दूतावास के मामले में नटवरलाल की गिरफ्तारी की थी। अब इसी कड़ी में एक और फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है।
क्या है फर्जी पुलिस कार्यालय का केस?– फर्जी पुलिस

कार्यालय से जुड़ा यह पूरा खेल उत्तर प्रदेश के नोएडा का है। यहां पुलिस ने रविवार (10 अगस्त) को सेक्टर–70 में छापेमारी के बाद कुछ लोगों को गिरफ्तार किया, जो एक किराए के मकान से फर्जी पुलिस दफ्तर चला रहे थे। इस घर में पुलिस दफ्तरों की तरह बोर्ड भी लगा था और इस पर 'इंटरनेशनल पुलिस एंड क्राइम इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो' लिखा था। हालांकि, छापेमारी में जो सबूत मिले, उनसे सामने आया कि इस तरह का कोई पुलिसबल न तो भारत में वैध तरह से मौजूद है और न ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे कोई मान्यता मिली है।

लोकसभा में नया आयकर बिल पास

दो खेल विधेयक भी पेश, खड़गे ने कहा- यह लोकतंत्र के साथ धोखा, सरकार जवाब दे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोटर वेरिफिकेशन और वोटों की चोरी के आरोपों पर हंगामे के बीच सरकार ने सोमवार को नया आयकर बिल (नंबर–2) 2025 और कराधान कानून संशोधन बिल–2025 लोकसभा में पास कराया। राज्यसभा में गोवा विधानसभा एसटी रिजर्वेशन बिल पेश हुआ, 2 स्पोर्ट्स बिल और मणिपुर से जुड़े 3 विधेयक पेश किए गए।

हालांकि इन बिलों को पेश करते समय विपक्ष का हंगामा जारी रहा। इस पर राज्यसभा सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि चर्चा के लिए कहा जा रहा है कि हाउस ऑर्डर में नहीं है और बिल पारित हो रहे हैं। यह लोकतंत्र के साथ धोखा है। लोकतंत्र की रक्षा होनी चाहिए। चेयर को, नेता सदन को यह स्पष्ट करना चाहिए। ये कैसा लोकतंत्र है।
इससे पहले विपक्ष के 300 सांसदों ने वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला। इस दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया।

विपक्ष के हंगामे पर सरकार का बड़ा फैसला

- सरकार अब सभी जरूरी बिलों को खुद ही लोकसभा और राज्यसभा में पास करेगी: किरण रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र शुरू होने के बाद से ही विपक्ष ने सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। संसद से सड़क तक विपक्ष का हल्ला बोल देखने को मिल रहा है। वहीं, संसद सत्र को खत्म होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। इसी बीच केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू का बड़ा बयान सामने आया है।

संसदीय मामलों के मंत्री किरण रिजिजू का कहना है कि कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष लगातार संसद की कार्यवाही में बाधा डाल रहा है। सरकार अब सभी जरूरी बिलों को खुद ही लोकसभा और राज्यसभा में पास करने पर विचार कर रही है।

संसद का बहुत समय बर्बाद किया – दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए किरण रिजिजू ने कहा कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी पार्टियों ने संसद का बहुत समय बर्बाद किया है। किरण रिजिजू ने कहा-हर बार हम सिर्फ 1 मुद्दे के पीछे संसद और देश का समय बर्बाद नहीं कर सकते हैं। हम जरूरी बिल पास कर लेंगे।

यूपी के फतेहपुर में मकबरे पर भगवा लहराया, बवाल-पथराव, तोड़फोड़

हिंदू संगठनों का मंदिर होने का दावा, सड़क पर जाम लगाकर हनुमान चालीसा पढ़ी

फतेहपुर (एजेंसी)। यूपी में संभल के बाद अब फतेहपुर में मंदिर-मस्जिद का विवाद शुरू हो गया। यहां सोमवार सुबह करीब 10 बजे अचानक बजरंग दल, हिंदू महासभा समेत कई हिंदू संगठनों के 2 हजार लोग ईदगाह में बने मकबरे पर पहुंच गए।

पुलिस ने पहले से मकबरे के चारों तरफ बैरिकेडिंग कर दी थी, लेकिन लाठी-डंडे से लैस हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने मकबरे को मंदिर बताकर तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी। कुछ युवकों ने मकबरे की छत पर चढ़कर भगवा झंडा लगा दिया।

हिंदू महासभा के नेता मनोज त्रिवेदी भीड़ के साथ मकबरे के

अंदर पहुंचे और पूजा करने लगे। मकबरे पर भगवा झंडा और पूजा-पाठ देख मुस्लिम समुदाय के लोग भड़क गए। करीब डेढ़ हजार मुस्लिम ईदगाह पहुंच गए। इसके बाद दोनों तरफ से पथराव होने लगा।

पुलिस ने लाठियां चलाकर भीड़ को खदेड़ना शुरू किया। बवाल इतना बढ़ा कि 10 थानों की फोर्स बुलाई गई। इसके बाद हिंदू संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता मकबरे से 500 मीटर दूर डाक बंगला चौराहे पर जाम लगा दिया। सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे।

भारत बोला- परमाणु हथियार लहराना पाकिस्तान की आदत

- हमें सुरक्षा करना आता है; आसिम मुनीर ने कहा था- सिंधु पर बांध बना तो मिसाइल मारेंगे

टेक्सास (एजेंसी)। भारत ने सोमवार को पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर की परमाणु धमकी का जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा- परमाणु हथियार लहराना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। भारत न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। हमें अपनी सुरक्षा करना आता है।

किसी मित्र देश की धरती से की गई ये टिप्पणी खेदजनक है। दुनिया देख सकती है कि ऐसे बयान कितने गैरजिम्मेदाराना हैं। ये बातें उस देश पर भी शक पैदा करती हैं, जहां परमाणु हथियारों का सुरक्षित होना तय नहीं है और सेना का आतंकियों से संबंध माना जाता है।

बिहार के 7 जिलों में बाढ़, 10 लाख लोग प्रभावित

● हिमाचल में 360 से ज्यादा सड़कें बंद, उत्तराखंड में 1000 लोगों का रेस्क्यू

नई दिल्ली/पटना/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश-बिहार में तेज बारिश के कारण बाढ़ के हालात हैं। बिहार के 7 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 10 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत बिहार की 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। पटना जिले की 24 पंचायतें भी बाढ़ से घिरी हैं। उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश से नदियां-नाले उफान पर हैं। मुरादाबाद में रामगंगा नदी उफान पर है। रविवार को एक बाइक सवार इसमें बह गया और फिर 22 घंटे तक एक पेड़ पर बैठा रहा। बाद में उसका रेस्क्यू हुआ। पिछले 24 घंटे में यूपी के 54 जिलों में 5.9 मिमी बारिश हुई।

मध्य प्रदेश में बीते कुछ दिनों से बारिश बंद थी। पिछले दो दिन से मौसम में बदलाव हुआ है। बंगाल की खाड़ी में 13 अगस्त से लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव होगा। इससे पूरे प्रदेश में फिर से तेज बारिश का दौर शुरू

होगा। अभी कुछ ही जिलों में बारिश हो रही है।

हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश के हुई लैंडस्लाइड के बाद एनएच-305 का औट-सैंज मार्ग बंद हैं। राज्य की 360 से ज्यादा सड़कों पर यातायात बाधित है। मानसून से जुड़ी घटनाओं में इस सीजन अब तक 116 लोगों की मौत हो चुकी है। 37 लोग अभी भी लापता हैं।

दिल्ली में पहली बार लगाई गई मां यमुना की प्रतिमा...

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पहली बार मां यमुना की प्रतिमा स्थापित की गई है। रिंग रोड पर आईएसबीटी कश्मीरी गेट के पास यमुना नदी के किनारे डीडीए की ओर से मां यमुना की ये प्रतिमा लगाई गई है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सोमवार को यमुना प्रतिमा का अनावरण किया। दिल्ली में यमुना नदी के किनारे मां यमुना की प्रतिमा स्थापित की गई है। ये पहली बार है जब दिल्ली में यमुना प्रतिमा लगाई गई है। मां यमुना को समर्पित इस प्रतिमा का एलजी वीके सक्सेना ने आईएसबीटी कश्मीरी गेट के पास यमुना तट पर अनावरण किया। एलजी वीके सक्सेना ने एक्स पर यमुना प्रतिमा की ये तस्वीरें शेयर की हैं।

दिल्ली में सांसदों के लिए बने 184 फ्लैट्स

● पीएम मोदी ने उद्घाटन कर 'सिंदूर' का पौधा भी लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के बाबा खड़क सिंह मार्ग पर सांसदों के लिए बनाए गए 184 नए फ्लैट्स का उद्घाटन किया। ये सभी फ्लैट्स टाइप-7 के मल्टी-स्टोरी अपार्टमेंट हैं। पीएम मोदी ने 'सिंदूर' का पौधा भी लगाया। इसके अलावा श्रमजीवियों से मुलाकात की। उद्घाटन के दौरान पीएम ने कहा- इन चार टावरों को बहुत सुंदर नाम दिए गए हैं, कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली, जो भारत की चार महान नदियों का

प्रतिनिधित्व करते हैं जो लाखों लोगों को जीवन देती हैं।ये नए फ्लैट्स इसलिए बनाए गए क्योंकि सांसदों के लिए आवास की कमी थी। सीमित जमीन होने के कारण यहां ऊंची इमारतों का निर्माण किया गया, जिससे जगह का बेहतर इस्तेमाल हो और रखरखाव का खर्च कम हो।

संक्षिप्त समाचार

जो खड़ा उठा, सटाकर मार दी गोली... सीरिया में अस्पताल स्टाफ को घुटने टेकने पर किया मजबूर

दमिश्क़, एजेंसी। सीरिया में करीब एक दशक के गृहयुद्ध ने देश को तबाह कर दिया है और हाल के महीनों में स्वैदा प्रांत में द्रूज समुदाय और सुन्नी बेदुईन कबीले के बीच भीषण संघर्ष ने हालात और जटिल बना दिए हैं। सीरिया के स्वैदा शहर में हिंसा के बीच दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में स्वैदा नेशनल अस्पताल के कर्मचारियों को हथियारबंद गुटों द्वारा मारते हुए दिखाया गया है।

यह वीडियो सीरियाई मानवाधिकार संस्था स्ह्ञक्र ने जारी किया है, जबकि रूस की सरकारी मीडिया ऋ्ञ ने इसे रिपोर्ट किया है। इस वीडियो में चरमपंथी गुट अस्पताल के कर्मचारियों के साथ बर्बरता करते देखे जा सकते हैं। लाइव हिंदुस्तान वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो अत्यंत विचलित कर दे वाला है।

वीडियो में क्या दिख रहा: वीडियो में अस्पताल के कई कर्मचारी हथियारों के निशाने पर जमीन पर घुटने टेकते हुए नजर आ रहे हैं। उनके चारों ओर कई हथियारबंद लोग खड़े हैं, जिन्हें स्ह्ञक्र ने सीरियाई रक्षा और गृह मंत्रालय के सदस्य बताया है। एक व्यक्ति को थप्पड़ मारने के बाद गोली मार दी जाती है और फिर वे कई अन्य लोगों को भी गोली मारने लगते हैं।

यह घटना जुलाई महीने में शुरू हुए द्रूज समुदाय के लड़ाकों और सुन्नी बेदुईन कबीले के बीच हो रही हिंसा के दौरान की बताई जा रही है। स्ह्ञक्र के अनुसार, सेना स्वैदा में संघर्ष को खत्म करने के लिए आई थी, लेकिन बाद में उन्होंने बेदुईन समूह का समर्थन किया और द्रूज लड़ाकों के खिलाफ खड़ी हो गई।

गौरतलब है कि 70 हजार की आबादी वाला स्वैदा शहर अभी भी द्रूज समुदाय के नियंत्रण में है, हालांकि सरकार ने आस-पास के कई द्रूज गांवों पर नियंत्रण कर लिया है। स्वैदा के द्रूज समुदाय के धार्मिक नेता शेख हिकमत अल-हिजरी ने इस हिंसा की अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की है। उन्होंने जिम्मेदार लोगों को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के सामने लाने और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों को भेजने का आग्रह किया है।

द्रूज समुदाय इजरायल में अल्पसंख्यक है और वहां कई सदस्य सेना में सेवा देते हैं। इस संघर्ष में इजरायली हस्तक्षेप काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इजरायली हमलों ने द्रूज समुदाय पर बड़े पैमाने पर होने वाले क़त्लेआम को रोकने में मदद की है।

जरूरत के समय भारत ही आया था, हँसो मत; टैरिफ तनाव पर श्रीलंकाई सांसद का वीडियो वायरल

कोलंबो, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच जारी टैरिफ तनाव की चर्चा दुनिया के सभी देशों में है। भारत के पड़ोसी देशों में भी यह चर्चा जोरों पर है कि आखिर भारत इस मुसीबत से बाहर कैसे आएगा। इसी बीच श्रीलंका के सांसद हर्षा डी सिल्वा का एक बयान सामने आया है, जिसमें वह संसद में खड़े होकर सत्ता पक्ष के सांसदों की तरफ इशारा करते हुए कह रहे हैं कि हमें भारत का मजाक उड़ाने की बजाय उसके साथ खड़े होना चाहिए। क्योंकि जब हम (श्रीलंका) संकट में थे, तो सबसे पहले भारत ने ही हमारी मदद की थी। सोशल मीडिया पर ऑफिशियल हैंडल पर डाली गई वीडियो में श्रीलंकाई संसद में मौजूद सांसद हर्षा डी सिल्वा अपनी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए नजर आ रहे हैं।

दक्षिण कोरिया की आर्मी में 20 प्रतिशत सैनिकों की कमी, नहीं मिल रहे जवान लड़के

सियोल एजेंसी। दक्षिण कोरिया की मिलिट्री में सैनिकों की संख्या पिछले छह सालों में 20% कम हो गई है, क्योंकि वहां पुरुषों की तादाद में भारी गिरावट आई है। इसका मुख्य कारण दुनिया में सबसे कम जन्मदर का होना है, जो कि औसतन 0.75 पर है। रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, 20 साल के पुरुषों की संख्या 2019 से 2025 तक 30% घटकर 2 लाख 30 हजार हो गई है। 20 साल की उम्र में ज्यादातर पुरुष मिलिट्री सर्विस के लिए भर्ती होते हैं। अब सेना में अधिकारियों की भी कमी हो रही है और आगे चलकर ऑपरेशन्स में दिक्कतें आ सकती हैं।

सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद चू मी-ए को यह रिपोर्ट दी गई, जिनके कार्यालय ने इसे जारी किया है।

दक्षिण कोरिया की सेना का आकार 2000 के दशक की शुरुआत से लगातार कम हो रहा है, जब इसमें लगभग 6 लाख 90 हजार सैनिक हुआ करते थे।

2010 के दशक के अंत में यह कमी तेज हुई और सेना में करीब 4 लाख 50 हजार सैनिक बचे हैं। वहीं, उत्तर कोरिया के पास 2022 में लगभग 12 लाख सक्रिय सैनिकों की सेना थी। दरअसल, दक्षिण कोरिया में 20 साल के पुरुषों की आबादी 2019 से 2025 के बीच 30% कम होकर 230,000 पर आ गई। 20 वर्ष की आयु ऐसी है जब ज्यादातर पुरुष शारीरिक परीक्षा पास करते हैं और मिलिट्री सर्विस के लिए भर्ती होते हैं।

50 हजार सैनिकों की कमी का सामना

दक्षिण कोरिया विश्व के सबसे तेजी से बूढ़े होने वाले देशों में शामिल है। 2024 में यहां की प्रजनन दर विश्व में सबसे कम 0.75 रही, जो दर्शाता है कि एक महिला को अपने प्रजनन काल में औसतन कितने बच्चे होने की उम्मीद है।

साल 2020 में 51.8 मिलियन के साथ साउथ कोरिया की आबादी शिखर पर थी, जो 2072 तक घटकर 36.2 मिलियन हो सकती है। दक्षिण कोरिया का रक्षा बजट 2025 में 61 ट्रिलियन वॉन से अधिक है, जो उत्तर कोरिया की अर्थव्यवस्था के आकार से भी बड़ा है। इसके बावजूद, मंत्रालय का कहना है कि देश की सेना 50,000 सैनिकों की कमी का सामना कर रही है। इसमें से लगभग 21 हजार नॉन-कमीशंड अफसरप रैंकों में हैं।

रूस से तेल खरीदने के चलते चीन पर भी टैरिफ लगा सकते हैं ट्रंप- उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर भारी-भरकम टैरिफ लगा दिया है। अब ट्रंप, चीन पर भी रूस से तेल खरीदने के लिए टैरिफ लगाने पर विचार कर रहे हैं। ये कहना है अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का। एक इंटरव्यू में जेडी वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप, चीन पर टैरिफ लगाने पर विचार कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कुछ भी तय नहीं है।

वेंस बोले- चीन पर टैरिफ लगाना अभी तय नहीं : इंटरव्यू के दौरान एंकर ने वेंस से पूछा कि अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर भारी-भरकम टैरिफ लगाए हैं तो क्या अमेरिका, चीन के खिलाफ भी ऐसी कोई कार्रवाई कर सकता है? इस पर वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप इस पर विचार कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्होंने इस पर कोई फैसला नहीं किया है। चीन का मुद्दा थोड़ा जटिल है क्योंकि चीन से हमारे रिश्ते ही कुछ ऐसे हैं। रूस की स्थिति को छोड़ दें तो भी चीन पर टैरिफ लगाने से कई अन्य चीजें भी बिगड़ सकती हैं। इसलिए राष्ट्रपति ट्रंप फिलहाल इस पर विचार कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है।

चीन की अमेरिका को दो टूक : सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में चीन का रूसी तेल आयात बढ़कर 10 अरब डॉलर से ज्यादा हो गया।

इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर की बातों में आई मां तो नवजात की हो गई मौत

होम-बर्थिंग पूल के इस्तेमाल से गई बच्ची की जान

केपटाउन एजेंसी। मां बनना एक खूबसूरत अहसास होता है जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। आजकल लोग डिलिवरी के लिए नए-नए तरीके अपनाने लगे हैं। लेकिन ये कई बार मां और बच्चे किए घातक भी साबित हो सकते हैं।

ऐसा ही एक मामला ऑस्ट्रेलिया से सामने आया है जिसमें एक महिला ने इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर एमिली लाल से किराए पर लिए गए बर्थिंग पूल में घर पर ही बच्चे को जन्म दिया लेकिन कुछ समय बाद ही नवजात की मौत हो गई। द न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, बच्चे की मां ने एमिली लाल, जिन्हें द ऑथेंटिक बर्थकीपर के नाम से भी जाना जाता है, उनसे एक बर्थिंग पूल किराए पर लिया था। बच्चे के जन्म के बाद उन्होंने एमिली को एक संदेश भेजा कि मैंने कर दिया। लेकिन जब उन्हें प्लेसेंटा निकालने में दिक्कत हुई तो उन्हें लगा कि बच्चे के साथ कुछ गड़बड़ है।

बर्थिंग पूल में बच्ची का जन्म, थोड़ी देर बाद नवजात ने तोड़ा दम इसके बाद बच्चे की मां ने तुरंत एमिली लाल को मैसेज भेजा कि वह जग नहीं रही है, हमें यह भी नहीं पता कि वह सांस ले रही है या नहीं, साथ ही उसका चेहरा भी नीला पड़ रहा है। 25 मिनट बाद लाल ने जब ये संदेश पढ़ा तो तुरंत फेसटाइम पर कॉल किया माता-पिता का तत्काल एंबुलेंस बुलाने के लिए कहा। पैरामेडिक्स ने 30 मिनट तक सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन उसे होश में नहीं लाया जा सका। फोरेंसिक पैथोलॉजिस्ट येलीना बाबर ने कहा, अगर बच्ची का जन्म अस्पताल में हुआ होता और मां को प्रसव से पहले सही देखभाल मिली होती तो यह बहुत कम संभावना होती कि बच्ची की मृत्यू होती, क्योंकि वह एक स्वस्थ बच्ची थी।

इजरायल का दो और बड़े देश छोड़ रहे साथ, यूरोप से झटके के बाद फिर निराशा; भड़का

तेल अवीव, एजेंसी। फ्रांस, ब्रिटेन समेत करीब डेढ़ दर्जन देशों की ओर से दबाव झेल रहे इजरायल को एक और झटका लगा है। अब ऑस्ट्रेलिया का कहना है कि वह अगले महीने होने वाली संयुक्त राष्ट्र आम सभा में फिलिस्तीन को मान्यता दे देगा। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इसका ऐलान किया है। उनका कहना है कि गाजा में जो हिंसा का दौर चल रहा है, उसे रोकने के लिए यह जरूरी है कि फिलिस्तीन को मान्यता मिले। उन्होंने कहा कि टू-स्टेट सॉलूशन ही काम आएगा और यह मानवता के हित में होगा। इसके साथ ही इजरायल पर दबाव बढ़ गया है। पहले ही फ्रांस, ब्रिटेन समेत तमाम बड़े यूरोपीय देश इजरायल को नसीहत दे चुके हैं कि यदि जंग नहीं रुकी तो वे फिलिस्तीन को मान्यता देंगे। इजरायल के लिए टेंशन की बात यह भी है कि ऑस्ट्रेलिया के साथ ही न्यूजीलैंड भी फिलिस्तीन को मान्यता देने पर विचार कर रहा है।

तलाक के दिन ही ट्रंप ने मुझे डेट पर मिलने बुलाया, जानी-मानी एक्ट्रेस ने बताया- क्या हुई बात

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर ऑस्कर विनिंग ब्रिटिश एक्ट्रेस एम्मा थॉम्पसन ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया कि जिस दिन मेरा तलाक हुआ था, उसी दिन ट्रंप ने मुझे फोन करके डेट पर चलने को कहा था। ट्रंप ने मुझे डिनर पर इनवाइट किया था। उन्होंने कहा कि 27 साल पहले अगर मैं ट्रंप का ऑफर कबूल कर लेती तो शायद अमेरिकी इतिहास की दिशा बदल सकती थी।

स्विट्ज़रलैंड के लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में 8 अगस्त को करियर उपलब्धियों के लिए लेपर्ड क्लब अवॉर्ड लेते हुए एम्मा ने यह वाकया सुनाया। उन्होंने बताया कि उन दिनों वह फिल्म प्राइमरी कलर्स की शूटिंग कर रही थीं, जब उनका फोन बजा। दूसरी ओर से आवाज आई - हैलो, आई एम डोनाल्ड ट्रंप।

ट्रंप से क्या हुई बात: पहले तो एम्मा को लगा कि कोई मज़ाक कर रहा है, लेकिन ट्रंप ने सीधे निमंत्रण देते हुए कहा - मैं चाहूंगा कि आप मेरे किसी खूबसूरत प्रॉपर्टी पर आएं, शायद हम डिनर कर सकते हैं। एम्मा ने जवाब दिया - ये आपकी मेहरबानी है, मैं आपको जरूर जवाब दूंगी। एम्मा ने बताया, मेरा उसी दिन मेरा तलाक हुआ था। लगता है, उनके पास ऐसे लोगों की लिस्ट होती होगी जिन्हें वो डेट पर बुला सकें,खासकर अच्छी-खासी पर्सनालिटी वाली तलाकशुदा महिलाएं। उन्होंने हंसते हुए कहा - शायद उन्होंने किसी से मेरा नंबर निकाल लिया होगा, ये तो स्टॉकिंग जैसा है। गौरतलब है कि एम्मा ने एक्टर केनेथ ब्राना से पहली शादी की थी। यह शादी 1989 से 1995 तक चली। 2003 में उन्होंने ग्रेग वाइज से फिर शादी की। वहीं, उस समय ट्रंप अपनी दूसरी पत्नी मार्ला मैपल्स से अलग हो चुके थे और 2005 में उन्होंने मेलानिया से शादी की थी।

ट्रंप पहले भी दे चुके ऐसा ऑफर: यह पहली बार नहीं है जब किसी अभिनेत्री ने ट्रंप के ऐसे प्रस्ताव का ज़िक्र किया हो। हॉलीवुड एक्ट्रेस सलमा हायेक भी पहले खुलासा कर चुकी हैं कि ट्रंप ने उन्हें डेट पर बुलाने की कोशिश की थी, जबकि वह पहले से रिलेशनशिप में थीं। सलमा के मुताबिक, ट्रंप ने उनके

पाकिस्तान ने फिर अलापा कश्मीर मुद्दे का राग, बोला- अमेरिका या किसी भी देश की मदद का स्वागत

इस्लामाबाद, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में बुरी तरह पिटने के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख के विपरीत पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा कि कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए वह अमेरिका या किसी अन्य देश से किसी भी मदद का स्वागत करेगा।

कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका या किसी भी देश की मदद का स्वागत- पाकिस्तान

विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कश्मीर मुद्दे में अमेरिका की रुचि के बारे में पूछे जाने पर यह टिप्पणी की।

उन्होंने कहा, कश्मीर मुद्दे के समाधान में अमेरिका की रुचि के बारे में हम न केवल अमेरिका से, बल्कि किसी भी देश से मदद का स्वागत करते हैं जो स्थिति को स्थिर करने और कश्मीर विवाद के समाधान की दिशा में आगे बढ़ने में मदद कर सकता है, जो दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा के मुद्दों का केंद्र है।

भारत का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ अपनी बातचीत में किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी नहीं चाहता है। साथ ही भारत ने स्पष्ट कर चुका है कि वह पाकिस्तान के साथ केवल गुलाम जम्मू-कश्मीर की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा फिर बोले- एक भी पाकिस्तानी विमान नहीं मार गिराया गया

इस्लामाबाद, एजेंसी।
ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट्स समेत छह विमानों को मार गिराया था। यह जानकारी शनिवार को भारतीय वायुसेना के प्रमुख मार्शल एपी सिंह ने एक कार्यक्रम में दी। इस खुलासे के बाद से पाकिस्तान बौखला गया है। अब वह खुलेआम झूठ बोल रहा है और कह रहा कि भारत ने एक भी पाकिस्तान के विमान नहीं गिराए। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, भारत की ओर से एक भी पाकिस्तानी विमान को न तो हिट किया गया और न ही नष्ट किया गया। उन्होंने आगे कहा कि तीन महीने तक ऐसा कोई दावा नहीं किया गया, जबकि पाकिस्तान ने

तुरंत बाद अंतर्राष्ट्रीय मीडिया को विस्तृत तकनीकी जानकारी दी थी।

उन्होंने वायुसेना प्रमुख की टिप्पणी को अविश्वसनीय और गलत समय पर आई हुई बताया और आरोप लगाया कि भारत को हुए नुकसान अनुपातहीन रूप से ज्यादा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने कहा कि दोनों देश अपने विमानों को स्वतंत्र रूप से जांच के लिए खोले और उससे सच्चाई सामने आ जाएगी। भारत को गीदड़भभकी देते हुए ख्वाजा ने कहा कि पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन किया गया तो उसका तेज और निश्चित रूप से जवाब दिया जाएगा।

हालांकि, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के बयान से साफ है कि वह एक बार फिर से भारत को गीदड़भभकी दे रहे हैं, जबकि मई में ही पाकिस्तान भारत से बुरी तरह से मात खाया है। चार दिनों तक चले संघर्ष में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। इसके अलावा, वहां के कई एयरबेस को हवाई हमलों से तबाह कर दिया था।

व्लादिमीर पुतिन से जल्द मुलाकात करेंगे डोनाल्ड ट्रंप, यूक्रेन की बढ़ गई चिंता

मास्को/वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह जल्द ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। ट्रंप यूक्रेन में लड़ाई को खत्म करने के लिए युद्धविराम समझौते की मध्यस्थता करना चाहते हैं। वाइट हाउस में आर्मेनिया और अजरबैजान के साथ शांति समझौते की घोषणा के लिए सोमवार को शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ। यहां बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि वह शुक्रवार को इस मीटिंग को लेकर लोकेशन सहित बाकी जानकारियां साझा करेंगे। उन्होंने संकेत दिया कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप ने कहा, हम रूस के साथ मीटिंग करने जा रहे हैं। इसकी शुरुआत रूस से होगी और हम एक स्थान की घोषणा करेंगे। मुझे लगता है कि यह जगह कई कारणों से बहुत लोकप्रिय होगी। पुतिन के साथ आमने-सामने की बैठक अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए जोखिम भरा दांव माना जा रहा है।

जेलेंस्की बोले- यूक्रेन का दूसरी बार बंटवारा नहीं होने देंगे-जंग खत्म करने के बदले जमीन नहीं देंगे

कीव, एजेंसी।
यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस को किसी भी हाल में यूक्रेन का दूसरा बंटवारा करने नहीं दिया जाएगा। एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि रूस के जमीन देकर नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण तरीके से जंग खत्म करके ही शांति आ सकती है। जेलेंस्की ने कहा, हम इस दूसरे बंटवारे की कोशिश को नाकाम करेंगे। हम रूस को जानते हैं। जहां दूसरा बंटवारा होगा, वहां तीसरा भी होगा। इसलिए हम अपनी पोजिशन पर डटे हैं। युद्ध का अंत शांति और मजबूत सुरक्षा ढांचे के साथ होना चाहिए। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 15 अगस्त को अलास्का में मिलने वाले हैं। इसमें जंग खत्म करने पर बात होनी है। ट्रम्प पहले कह चुके हैं कि जंग खत्म करने के लिए कुछ इलाकों की अदला-बदली करनी होगी।

अमेरिका-रूस के राष्ट्रपति आखिरी बार 2021 में मिले थे

रॉयटर्स के मुताबिक ट्रम्प इसके बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ त्रिपक्षीय बातचीत भी करना चाहते हैं। वे इस बातचीत में पुतिन को भी शामिल करना चाहते हैं। अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति के बीच आखिरी मुलाकात जून 2021 में हुई थी। उस वक्त तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और पुतिन ने जिनेवा में मुलाकात की थी। 4 साल बाद होने जा रही इस मुलाकात को लेकर व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बुधवार को

बताया था, रूस ने ट्रम्प से मुलाकात की इच्छा जताई है। ट्रम्प पुतिन और जेलेंस्की दोनों से मिलने को तैयार हैं।

ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने बुधवार को पुतिन से मुलाकात की थी। ट्रम्प ने इस बैठक को अहम बताया। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने बताया था कि दोनों देशों ने यूक्रेन मुद्दे पर बातचीत की।

ट्रम्प अब तक 4 बार रूसी राष्ट्रपति से बात कर चुके हैं...

12 फरवरी, 2025- ट्रम्प और पुतिन ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत की।

18 मार्च, 2025- दोनों नेताओं ने यूक्रेन में युद्धविराम और शांति पर बात की।

19 मई, 2025- दो घंटे से अधिक की बातचीत में यूक्रेन युद्ध समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

4 जून, 2025- यूक्रेन और ईरान के मुद्दे पर दोनों नेताओं में 1 घंटे बातचीत हुई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस हवाई हमले रोकने के लिए एक अस्थाई प्रस्ताव दे सकता है। यह प्रस्ताव बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको ने पिछले हफ्ते पुतिन से मुलाकात के दौरान रखा था। हालांकि, यह पूर्ण युद्धविराम नहीं होगा, लेकिन इससे दोनों पक्षों के लिए एक राहत हो सकती है। फिलहाल रूस ने मई के बाद से यूक्रेन पर सबसे भारी हवाई हमले किए हैं। इनमें कीव में ही 72 लोगों की मौत हुई है। ट्रम्प ने इन हमलों को घिनौना बताया था। यूक्रेन भी रूसी तेल रिफाइनरियों और डिपो पर हमले जारी रखे हुए है।

क्यों शुरू हुई रूस-यूक्रेन की जंग फरवरी 2022- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले का ऐलान करते ही यूक्रेन में रूसी टैंक धड़धड़ाते हुए घुसने लगे। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- पुतिन से बातचीत का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। रूस को यूक्रेन पर हमले की गंभीर कीमत चुकानी होगी।

फरवरी 2025- अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पुतिन से फोन पर 90 मिनट तक बात की। इसके बाद सऊदी अरब में यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिकी के बीच हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें यूक्रेन को नहीं रखा गया। ट्रम्प ने पुतिन की तारीफ की और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को 'तानाशाह' कह दिया। मई 2025- रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति बातचीत 2025 में तेज हुई, खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पहल के बाद। हाल के दिनों में कैदी अदला-बदली हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण और सुरक्षा गारंटी पर मतभेद बने हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

टीबी मरीजों को आहार सामग्री बांटी

तिलावद /मैना (निप्र)। रक्षा बंधन पर पीएम टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पोषण आहार का वितरण किया गया। हेमंत कुमार महेश्वरी नोटरी एडवोकेट एवं मप्र ग्रामीण बैंक के संदेश वाहक अशोक कलमोदिया ने टीबी मरीज को पोषण आहार वितरित किया। उन्होंने कहा पोषण आहार मिलने पर मरीज का स्वास्थ्य जल्दी ठीक होता है। इस दौरान आशा कार्यकर्ता पवित्रा आशा कार्यकर्ता, राकेश कलमोदिया ग्राम नगर सुरक्षा समिति सदस्य आदि शामिल थे।

ज्योति कलश यात्रा 1 सितंबर से बैतूल में

बैतूल(निप्र)। अखिल विश्व गायत्री परिवार की ज्योति कलश यात्रा बैतूल जिले में 1 सितंबर को आएगी। गायत्री परिवार ने बताया ज्योति कलश यात्रा अखंड ज्योति एवं माता भगवती देवी शर्मा के दिव्य अवतरण वर्ष 1926 के 100 वर्ष पूर्ण कर शताब्दी वर्ष के रूप में आ रहे 2026 की तैयारी व संदेश देने के लिए आ रही है। यात्रा शाहपुर तहसील में 1 से 3 सितंबर, घोड़ाडोंगरी में 4 से 6 सितंबर, आमला में 7 से 11 सितंबर, बैतूल में 12 से 14 सितंबर, चिचोली में 15 से 16 सितंबर, भीमपुर में 17 से 18 सितंबर, भैंसदेही में 19 से 21 सितंबर, आठनेर में 22 से 24 सितंबर, प्रभातपट्टन में 25 से 27 सितंबर, मुलताई में 28 से 30 सितंबर तक रहेगी। इसके बाद यह यात्रा पांढुर्ना जाएगी।

30 अगस्त तक फसल बीमा करा सकेंगे किसान

सीहोर(निप्र)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विकास विभाग ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत बीमा की तिथि बढ़ा दी है। अऋणी किसानों के लिए खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 14 अगस्त कर दी है तथा ऋणी किसानों के लिए अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 अगस्त कर दी गई है। जिन किसानों ने बैंकों से केसीसी लिया है और उनका बीमा बैंक द्वारा किया जाता है। अऋणी किसान सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक, जन सेवा केंद्र तथा सीएससी ऑनलाइन पर जाकर फसल बीमा करा सकते हैं। ताकि फसल नुकसानी के समय किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ मिल सकें।

घायल युवकों को कराया भर्ती

सीहोर(निप्र)। हकीमाबाद की घाटी पर दो बाइक आपस में टकराई जिससे दोनों बाइक चालक गंभीर घायल हो गए। शुक्रवार को योगेश मालवीय ग्राम मेना और हरिओम विश्वकर्मा ग्राम टकराई निवासी की बाइक आपस में हकीमाबाद घाटी पर टकराई। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां से निकल रहे ग्राम कोठरी निवासी राधेश्याम बामनिया ने घायलों को आष्टा के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया और उनके परिजनों को सूचना भी दी।

थाने में हर्षोल्लास से मनाया रक्षाबंधन

भैरूंदा(निप्र)। रक्षाबंधन पर भाई-बहन के रिश्ते के साथ महिला सशक्तिकरण की मिसाल भी देखने को मिली। स्थानीय थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में थाना प्रभारी घनश्याम सिंह दांगी को सब इंस्पेक्टर पूजा सिंह राजपूत ने राखी बांधी। इस अवसर पर मातृशक्ति की महिलाओं ने भी थाना प्रभारी और समस्त पुलिस स्टाफ को रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुरक्षा की कामना की। साथ ही क्षेत्र के कुछ स्कूलों की बालिकाओं ने भी पुलिसकर्मियों को राखी बांधते हुए त्योहार की खुशियां साझा कीं।

152 स्कूलों में राजयोग सिखाएंगे, नशा मुक्ति पर करेंगे काम

सीहोर(निप्र)। ब्रह्माकुमारीज सीहोर सेवा केंद्र पर रक्षाबंधन के मौके पर भव्य कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि शैलेन्द्र राय ने कहा, बहनों का रक्षाबंधन मनाने का तरीका अलौकिक है। यहां आकर शांति और ऊर्जा का अद्भुत अनुभव मिला। राय ने बताया, दीदी के साथ मिलकर 152 स्कूलों में बच्चों को राजयोग मेडिटेशन सिखाएंगे। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रम भी करेंगे। सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी पंचशीला दीदी ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक अर्थ को समझाया।

रक्षा बंधन पर कलेक्टर ने वृद्धाश्रम, जेल और ब्रह्माकुमारी संस्थान में पहुंचकर बंधवाई राखी

उपहार भेंट किए, बहिनों ने स्नेह और आशीर्वाद दिया

विदिशा (निप्र)। भाई-बहन के स्नेह और विश्वास के प्रतीक रक्षा बंधन पर्व पर कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जिले में विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने वृद्धाश्रम में बुजुर्ग माताओं और बहनों से राखी बंधवाई, उनके सुख-समृद्धि की कामना की और उन्हें स्नेहपूर्वक उपहार भी दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता सबसे पहले मुखर्जी नगर में स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान में पहुंचकर वहां की बहनों से राखी बंधवाई और आध्यात्मिक वातावरण में भाईचारे एवं प्रेम की भावना को और प्रगाढ़ किया। इसके बाद कलेक्टर श्री गुप्ता श्रीहरि वृद्धाश्रम पहुंचे और यहां रह रहीं बुजुर्ग माताओं से स्नेहपूर्वक राखी बंधवाकर आशीर्वाद लिया और उन्हें उपहार भेंट किए। कलेक्टर श्री गुप्ता जिला जेल भी पहुंचे, यहां उन्हें बंदी बहनों ने राखी बांधी। उन्होंने सभी को जीवन में सुधार और सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन केवल धागे का बंधन नहीं , बल्कि आपसी विश्वास, सहयोग और सुरक्षा का प्रतीक है, जिसे समाज में हर रिश्ते में बनाए रखना चाहिए।

भाईयों की कमी को महसूस नहीं होने दिया

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने ऐसे स्थानों पर पहुंचकर बहनों को भाईयों की कमी को महसूस नहीं होने दिया, बहिनों ने आपार स्नेह और आशीर्वाद दिया यह पर सभी के दिलों को छू गए। जब कोई अपना नहीं रहता, तो उसकी कमी बहुत महसूस होती है, लेकिन यहाँ तो ऐसा लगा जैसे उनकी मौजूदगी अभी भी है।

पिपरिया में महिलाओं ने राखी पर पुलिसकर्मियों को बांधे रक्षासूत्र :कहा-कलाइयां खाली देख लिया फैसला, टीआई बोले : बहनों के प्रेम से पूरा स्टाफ गौरवान्वित

पिपरिया, नर्मदापुरम (निप्र)। पिपरिया थाने में रक्षाबंधन के मौके पर सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को राखी बांधी। दरअसल, पुलिसकर्मी दिन भर ड्यूटी में व्यस्त रहे और शाम को विश्व आदिवासी दिवस जुलूस की व्यवस्थाओं में लगे थे। जब सामाजिक कार्यकर्ता महिलाओं ने देखा कि पुलिस कर्मियों की कलाइयां खाली हैं, तो उन्होंने थाने जाकर उन्हें राखी बांधने का फैसला लिया।

टीआई बोले-बहनों के प्रेम से स्टाफ गौरवान्वित : जब पुलिस स्टाफ अपनी ड्यूटी पूरी करके थाने लौटा, नगर की महिलाएं राखी और मिठाई लेकर वहां पहुंच गई। थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि बहनों के अद्भुत प्रेम से पूरा स्टाफ गौरवान्वित है। महिलाओं ने पुलिस कर्मियों को राखियां बांधकर उनसे रक्षा का संकल्प लिया। पुलिस स्टाफ ने भी बहनों को हमेशा याद रखने और उनकी रक्षा करने का वादा किया। इस अवसर पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता पार्वती शर्मा, नीलम पचौरी, संगीता हरदेनिया, नेहा पालीवाल, सविता राज, राजकुमारी मालवीय सहित अन्य महिलाओं ने राखियां बांधीं।

बैतूल में चोरी की दो घटनाओं के पांच आरोपी गिरफ्तार

सारणी पुलिस ने कोयला खदान और पावर हाउस में चोरी का किया खुलासा

बैतूल(निप्र)। सारणी क्षेत्र में पुलिस ने दो अलग-अलग चोरी के मामलों का खुलासा किया है। इन मामलों में कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 65,000 रुपए की चोरी गई सामग्री और घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया गया है। पहले मामले में पुलिस चौकी पाथाखेड़ा थाना सारणी की टीम ने डब्ल्यूसीएल खदान से चोरी हुए कॉपर तार का केस सुलझाया है। इस मामले में बंटी चौहान, मुकेश बडोदे और भीम सेलके को गिरफ्तार किया गया है। तीनों आरोपी पाथाखेड़ा के निवासी हैं। फरियादी कमलेश यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 3-4 अगस्त की रात सब स्टेशन पाथाखेड़ा से लगभग 20 फीट लंबा कॉपर केबल चोरी हो गया था। इस केबल की कीमत करीब 20,000 रुपए है। जांच में आरोपियों की पहचान होने पर पूछताछ की गई। आरोपियों ने केबल चोरी कर तवा-1 खदान के जंगल में छुपाने की बात स्वीकार की। पुलिस ने मौके से केबल बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पाइप चोरी करने वाले भी गिरफ्तार

दूसरे मामले में थाना सारणी पुलिस को 9 अगस्त को सूचना मिली थी। एक पिकअप वाहन (एमपी 04 जीबी 5111) में एमपीपीजीसीएल सारणी के लोहे के पाइप भरकर चोरी कर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने शॉपिंग सेंटर सारणी में पांसे के गैरेज के पास वाहन को रोका। जांच में 21 नग लोहे के टुकड़े बरामद किए गए। प्रत्येक टुकड़ा 2-3 मीटर लंबा था। पाइप की कीमत 45,000 रुपए आंकी गई है। घटना में प्रयुक्त पिकअप की कीमत 5 लाख रुपए है। वाहन चालक सूरज जाटव (33) और कंडक्टर लक्ष्मण जायसवाल (24) को गिरफ्तार किया गया है। दोनों सारणी के निवासी हैं। दोनों मामलों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की गई संपत्ति जब्त की है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

अस्थाई कनेक्शन लेकर ही झांकी-पंडाल की सज्जा करें

हरदा (निप्र)। गणेशोत्सव त्यौहार 27 अगस्त तथा अन्य त्यौहारों में पंडालों को अस्थायी कनेक्शन देने के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने माकूल प्रबंध किए हैं। कंपनी ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे गणेशोत्सव के दौरान धार्मिक पण्डालों एवं झाँकियों में बिजली साज-सज्जा, नियमानुसार ऑनलाइन अस्थाई कनेक्शन लेकर ही करें।

अस्थाई कनेक्शन लेने हेतु क्या करें : बिजली कंपनी के पोर्टल पर जाकर निर्धारित प्रपत्र में सही, संयोजित विद्युत भार को दर्शाते हुए अस्थायी कनेक्शन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करें, लायसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट आवेदन में संलग्न करें एवं वायरिंग इत्यादि लायसेंसधारी विद्युत ठेकेदार से ही करवाएं, आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि अग्रिम जमा कराकर बिजली कंपनी से अस्थाई कनेक्शन की रसीद अवश्य लें, रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल/झाँकी के सामने लगाएं, आवेदित विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग विद्युत साज-सज्जा के लिए न करें, विद्युत कनेक्शन मीटरीकृत होगा एवं विद्युत देयक की बिलिंग नियमानुसार अस्थायी कनेक्शन हेतु लागू घरेलू दर पर की जाएगी, झांकियों के निर्माण एवं विद्युत साज-सज्जा में सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। अनधिकृत तरीके से विद्युत का उपयोग न करें, अधिक जानकारी के लिए कंपनी के टोल फ्री नंबर - 1912 पर भी कॉल कर सकते हैं।

अस्थाई कनेक्शन न लेने से होने वाले नुकसान : अधिक भार से ट्रांसफार्मर के जलने की संभावना तथा दुर्घटना की आशंका, पारेषण एवं वितरण प्रणाली पर विपरीत असर होने से अंधेरे की संभावना, अनधिकृत विद्युत उपयोग करने पर इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के तहत उपयोगकर्ता एवं जिस विद्युत ठेकेदार से कार्य कराया गया है, उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही, अनधिकृत विद्युत उपयोग की दशा में संबंधित विद्युत ठेकेदार के लायसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही।

आदिवासी समाज ने बड़ा देव पूजन कर निकाली शोभायात्रा, घोड़े पर बैठ कर चले युवक-युवती

पिपरिया(निप्र)। पिपरिया में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। दोपहर में कृषि उपज मंडी प्रांगण में आदिवासी समाज ने अपने देवता बड़ा देव का पूजन-अर्चन किया। कृषि मंडी में आयोजित समारोह में आदिवासी समाज के गणमान्य प्रतिनिधियों ने संबोधन दिया। उन्होंने सामाजिक एकता पर जोर दिया। शिक्षा के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता बताई। साथ ही नशे से दूर रहने का आग्रह किया। परिवार के विकास पर ध्यान देने का आवाहन भी किया। शाम को कृषि मंडी से शोभायात्रा निकाली गई। इसमें दो महिला और पुरुष घुड़सवार आगे चल रहे थे। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाएं सजी थीं। सिर पर साफा बांधे पुरुष शान से चल रहे थे। हथवास चौराहे पर शोभायात्रा का स्वागत हुआ। शोभायात्रा शोभापुर रोड होकर मंगलवारा चौक पहुंची। विभिन्न पारंपरिक आदिवासी नृत्य टोलियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने समाज को शुभकामनाएं दीं। शोभायात्रा ओवर ब्रिज, इतवारा बाजार और पचमढ़ी रोड होते हुए गार्डन में समाप्त हुई। इस अवसर पर नगर को झंडे, बैनर और पोस्टर से सजाया गया था। सिटी थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी ने व्यवस्था संभाली। स्टेशन रोड थाना प्रभारी आदित्य सैन और एसडीओपी मोहित यादव के निर्देशन में पुलिस स्टाफ शोभायात्रा की व्यवस्था में लगा रहा।

श्रीकृष्ण का जन्म मनुष्य के उद्धार के लिए हुआ

सीहोर(निप्र)। श्रीकृष्ण का जन्म मनुष्य जीवन के उद्धार के लिए हुआ है। कंस ने उनके जन्म लेने को रोकने के लिए अथक प्रयास किए लेकिन सफल नहीं हो पाया। अंत में अपने पापों का घड़ा भरने पर श्रीकृष्ण के हाथों मरकर मोक्ष की प्राप्ति की। उन्होंने बताया मनुष्य जीवन सबसे उत्तम माना जाता है। इसी योनी में भगवान भी जन्म लेना चाहते हैं। जिससे वे अपने आराध्य ईश्वर की भक्ति कर सके। श्रीकृष्ण ने भागवत गीता के माध्यम से बुराई व सदाचार के बीच अंतर बताया। ईश्वर को धन दौलत व यज्ञों से कोई सरोकार नहीं है। वह तो केवल स्वच्छ मन से की गई आराधना के अधीन होता है। उक्त विचार शहर के बस स्टैंड पर जारी सात दिवसीय भागवत कथा के अंतिम दिवस पर कथा वाचक पंडित चेतन उपाध्याय ने कहे। इस मौके पर मंच से अनेक श्रद्धालुओं और कथा के आयोजनकर्ताओं का सम्मान करते हुए कहा कि जीवन में भगवान के नाम के जप का मौका कभी नहीं गंवाना चाहिए। कर्म के साथ पुण्य और धर्म का लाभ लेते रहना चाहिए। महत्व जनने के बाद ही श्रद्धा जागती है उन्होंने कहा कि भगवान जात, पात व धर्म नहीं जानते। वह तो भक्ति मात्र के प्रेम को जानते हैं। हर प्रकार के युगों से श्रद्धालुओं को अवगत कराया। समय-समय पर भगवान को भी अपने भक्त की भक्ति के आगे झुककर सहायता के लिए आना पड़ा है। मित्रता, सदाचार, गुण, अवगुण, द्वेष सभी प्रकार के भावों को व्यक्त किया है। जब तक हम किसी चीज के महत्व को नहीं जानते तब तक उसके प्रति मन में श्रद्धा नहीं जगती। कहा कि जब तक भक्तों का मन पवित्र नहीं होगा तब तक भागवत कथा श्रवण का लाभ नहीं मिल सकता।

सीहोर में सूखने लगी सोयाबीन की फसल:किसानों ने खेतों में प्रदर्शन कर सरकार से मुआवजे मांगा

सीहोर(निप्र)। सीहोर में एक सप्ताह से वर्षा की कमी के कारण सोयाबीन की फसल खराब होने लगी है। इससे परेशान किसानों ने खेतों में खड़े होकर प्रदर्शन किया है। किसानों ने सरकार से फसल का सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग की है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के क्षेत्र इछावर में सोयाबीन की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। इछावर के ग्राम खेरी में किसानों ने अपने खेतों में खड़े होकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का कहना है कि शिकायत करने के बावजूद अधिकारियों ने अभी तक खेतों का निरीक्षण नहीं किया है। आंकड़ों के अनुसार, सीहोर जिले में अब तक 647 एमएम बारिश हुई है। पिछले साल इसी अवधि में 748 एमएम बारिश दर्ज की गई थी। इछावर क्षेत्र में इस साल अभी तक 614 एमएम बारिश हुई है। जबकि पिछले साल इसी समय 964 एमएम बारिश दर्ज की गई थी।

इटारसी में दस दिन से नहीं हुई बारिश:1 जून से अब तक 31 इंच पानी गिरा, 13 अगस्त से हो सकती है बारिश

इटारसी (निप्र)। इटारसी में पिछले एक हफ्ते से शहर में बारिश रुकी हुई है। इससे खेतों में लगी धान की फसल प्रभावित हो रही है। मौसम विभाग कहना है कि 13 अगस्त से फिर जिले में हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। क्षेत्र में पिछले 10 दिनों से बारिश थमने के साथ ही मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। तेज धूप से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक जून से अब तक 786 मिली मीटर यानि 31 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। पिछले साल 34 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी थी। हालांकि पिछले अगस्त माह में हुई जोरदार बारिश से तवा पूरा भर गया है। डैम को जलस्तर 1160.20 फीट पर बताया जा रहा है।

अगले दो दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना : जिले में अगले दो दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होगी। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी और लगे हुए पश्चिमी-मध्य में एक कम दबाव का क्षेत्र

बनने की संभावना है। इस कारण नर्मदापुरम जिले में 13 अगस्त के आसपास अच्छी बारिश अधिकतर इलाकों में हो सकती है। वर्तमान में मानसून टर्फ पंजाब, हरियाणा, दिल्ली से होकर उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी की ओर बनी है। एक चक्रवातीय परिसंचरण यूपी की ओर बना है। इसके प्रभाव से नर्मदापुरम सहित प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की और मध्यम बारिश होने की संभावना रहेगी।

31 डिग्री पहुंचा क्षेत्र का तापमान : शनिवार को दिन का तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25. 60 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार को दिन का तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुरुवार को 34.8 डिग्री सेल्सियस दिल का तापमान और रात का तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश रुकने के बाद तापमान में निरंतर बढ़ोतरी देखी जा रही है।

संपादकीय

संसद में हंगामा, विपक्ष क्या चाहता है?

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा की मांग को लेकर संसद में सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं। विपक्ष चाहता है कि सरकार स्पेशल इंटेनशिव रिवीजन यानी एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप कराने के लिए। मॉनसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि स्ढ्क्रपर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, कई पेच फंसे हैं इसमें। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। खैर, चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। वहीं, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारू रूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। उसे अपना यह दायित्व समझना चाहिए।

नेताओं ने राहुल जी को इस विषय पर ट्यूशन दी? क्या उन्होंने जाने-अनजाने में कांग्रेस नेता से फर्जी मतदाता की बात करवाकर एक प्रकार से बिहार में हो रहे गहन पुनरीक्षण को परोक्ष रूप से समर्थन ही दे दिया? यही तो चुनाव आयोग कह रहा है कि मतदाता सूची से गड़बड़, अयोग्य और फर्जी मतदाताओं को हटाने के लिए ही बिहार में पूरी कवायद चल रही है। उसे लेकर राहुल जी के मित्र- परिवारवाद के दूसरे प्रतिनिधि तेजस्वी यादव मोर्चा खोले हुए हैं और यहां परिवारवाद के प्रथम प्रतिनिधि पुष्टि कर रहे हैं कि पुनरीक्षण जरूरी क्यों है। मुझे तो लगा कि कहीं राहुल जी तेजस्वी के दो वोटर कार्ड के विषय को ही न उठा लें, जिस रफ्तार से वह 'एटॉमिक' खुलासे कर रहे थे। इससे बड़ा फ्रॉड क्या होगा कि एक नेताजी के दो वोटर कार्ड हैं और उन्होंने एक कार्ड पटना की प्रेस वार्ता में दिखाया था और अब चुनाव आयोग के तलब करने पर जवाब देते नहीं बन रहा है।

चुनाव आयोग पर फर्जी आरोपों का सुतली बम

(शहजाद पूनावाला)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पावरपॉइंट प्रेसवार्ता का अगर सही मूल्यांकन किया जाए, तो यह एटम बम कम और सुतली बम ज्यादा थी। आवाज और शोर तो खूब हुआ, पर निकला कुछ नहीं। दावे बड़े, दर्शन छोटे। वैसे सुप्रीम कोर्ट की हाल की टिप्पणियों के बाद, जिसमें कोर्ट ने राहुल को सेना विरोधी बयानों के लिए जमकर फटकारा था, उनकी विश्वसनीयता वैसे भी न्यूनतम स्तर पर है। राफेल, पेगासस, वीर सावरकर, आरएसएस पर अपने दिए गए बयानों के चलते पहले भी कोर्ट से उनको फटकार मिल चुकी है, पर आधुनिक राजनीति के इन नेता की झूठ की दुकान में सामान खत्म होने का नाम ही नहीं लेता!

सेना पर अनर्गल बयानबाजी के बाद अब कांग्रेस के बयान बहादुर ने चुनाव आयोग पर, जो एक सांविधानिक संस्था है, निशाना साधा है। 7 अगस्त, 2025 को राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर मतदाता धोखाधड़ी का आरोप लगाया। दावा किया कि चुनाव आयोग ने कर्नाटक और महाराष्ट्र में मतदाता सूचियों में हेरफेर के लिए भाजपा के साथ सांठगांठ की। उन्होंने कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 1,00,250 से अधिक फर्जी वोटों के सुबूत का हवाला दिया, जिसमें नकली मतदाता, फर्जी पते और अमान्य फोटो शामिल हैं। कांग्रेस नेता ने इसे आपराधिक धोखाधड़ी करार दिया है।

हैरानी की बात है, किन नेताओं ने राहुल जी को इस विषय पर ट्यूशन दी? क्या उन्होंने जाने-अनजाने में कांग्रेस नेता से फर्जी मतदाता की बात करवाकर एक प्रकार से बिहार में हो रहे गहन पुनरीक्षण को परोक्ष रूप से समर्थन ही दे दिया? यही तो चुनाव आयोग कह रहा है कि मतदाता सूची से गड़बड़, अयोग्य और फर्जी मतदाताओं को हटाने के लिए ही बिहार में पूरी कवायद चल रही है। उसे लेकर राहुल जी के मित्र- परिवारवाद के दूसरे प्रतिनिधि तेजस्वी यादव मोर्चा खोले हुए हैं और यहां परिवारवाद के प्रथम प्रतिनिधि पुष्टि कर रहे हैं कि पुनरीक्षण जरूरी क्यों है। मुझे तो लगा कि कहीं राहुल जी तेजस्वी के दो वोटर कार्ड के विषय को ही न उठा लें, जिस रफ्तार से वह 'एटॉमिक' खुलासे कर रहे थे। इससे बड़ा फ्रॉड क्या होगा कि एक नेताजी के दो वोटर कार्ड हैं और उन्होंने एक कार्ड पटना की प्रेस वार्ता में दिखाया था और अब चुनाव आयोग के तलब करने पर जवाब देते नहीं बन रहा है।

प्रेस वार्ता में राहुल गांधी ने लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव नाम के एक वोटर

का एपिक नंबर पेश करते हुए दावा किया कि यह शख्स कर्नाटक के अलावा लखनऊ में भी वोटर है। यही नहीं, उन्होंने उसे महाराष्ट्र में भी मतदाता सूची में दर्ज दिखाया। कई न्यूज चैनल ने जब इसका फैक्ट चेक किया, चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर 'वोटर सर्च' पोर्टल के जरिये सत्यापन और जांच में जो नतीजे सामने आए, वे राहुल गांधी के दावे से मेल नहीं खाते हैं। कर्नाटक की वोटर लिस्ट में 'आदित्य श्रीवास्तव' नाम का एक व्यक्ति दर्ज है, लेकिन लखनऊ और महाराष्ट्र, दोनों स्थानों पर जब उसी नाम और एपिक नंबर से खोज की, तो 'नो रिजल्ट फाउंड' दिखाया। साफ है कि आदित्य श्रीवास्तव फिलहाल लखनऊ का वोटर नहीं है। चुनाव आयोग की वेबसाइट के मुताबिक, उसका नाम महाराष्ट्र के किसी मतदाता सूची में भी नहीं है।

कुल मिलाकर, आधे घंटे के भीतर ही राहुल जी का एटम बम फर्जी आरोपों का सुतली बम बन गया। कर्नाटक, महाराष्ट्र इत्यादि के मुख्य चुनाव अधिकारियों ने तुरंत राहुल गांधी से उनके दावों को हलफनामे सहित जमा करने का अनुरोध किया, ताकि शिकायत पर न्याय संगत कार्रवाई कर सकें, लेकिन जैसे ही यह किया गया, राहुल गांधी पीछे हट गए और कहा कि उनका शब्द ही शपथ की तरह है। अपनी विश्वसनीयता के लिए राहुल गांधी को निर्वाचन नियमावली- 1960 के नियम के तहत मतदाता सूची में कथित अयोग्य मतदाताओं के नाम घोषणा/शपथ के साथ जमा करने चाहिए। यदि वे ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि उनके पास कोई वास्तविक मुद्दा नहीं है और वह केवल सियासी नाटक कर रहे हैं। वह तथ्यों को धुंधला कर रहे हैं, लोगों के मन में चुनाव आयोग के प्रति संदेह पैदा कर रहे हैं और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए जिम्मेदार सांविधानिक संस्था की छवि को धूमिल कर रहे हैं। यह केवल 'हिट ऐंड रन' था और कुछ नहीं!

वैसे राहुल गांधी के लिए यह कोई नई बात नहीं है। उनके ज्यादातर दावे - पेगासस, राफेल, हिंडनबर्ग कोर्ट या न्यायिक पटल पर टिक नहीं पाते हैं। महाराष्ट्र के संदर्भ से राहुल जी ने अलग-अलग समय पर अलग-अलग आंकड़े दिए हैं। कभी कहा कि एक करोड़ नए वोटर जुड़े हैं, तो कभी 70 लाख, तो कभी 40 लाख। हरियाणा में भी चुनाव आयोग को जब हार के लिए दोष दिया, तो उन्हीं की पार्टी की वरिष्ठ नेत्री कुमारी शैलजा ने कहा कि हार का कारण कांग्रेस खुद थी, न कि चुनाव आयोग। वैसे लोग जानते हैं, हर चुनाव में कांग्रेस ईवीएम को दोष देती रही है। अनेक बार यह बात सामने आ चुकी है कि ईवीएम से फर्जीवाड़ा नहीं किया जा सकता, तो विपक्षी नेताओं ने ईवीएम छोड़कर अब नया शिगूफा शुरू किया है।

प्रेस वार्ता समाप्त होते-होते राहुल जी ने चुनाव आयोग को धमकी भी दे दी। कहा कि अगर हमारी बात नहीं मानेंगे, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। अब स्पष्ट है, यह ईसीआई नहीं, ईएमआई का मामला है- इमरजेंसी माइंडसेट ऑफ इंदिरा। इंदिरा जी को लगता था 'इंदिरा इज इंडिया' और राहुल जी को लगता है कि उनका परिवारतंत्र - संविधान और लोकतंत्र से ऊपर है! जब चुनाव जीत जाते हैं, तो उनको चुनाव आयोग निष्पक्ष नजर आता है और जब हारने लगते हैं, तो चुनाव आयोग पर निशाना साध लेते हैं। यह संविधानिक संस्थाओं के प्रति चयनात्मक रवैया है।

यह बड़ी त्रासद विडंबना है कि देश को कभी नवीन चावला और एमएस गिल जैसे चुनाव आयुक्त देने वाली कांग्रेस अब चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर बार-बार सवाल उठाती है?

(लेखक राष्टीय प्रवक्ता, भाजपा है)।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

'रक्षा' के लिए 'बंधन' भी स्वीकार करना होगा

(प्रणय विक्रम सिंह)

रक्षा यह शब्द जीवन के हर क्षेत्र में स्थिरता, शांति और संतुलन का आश्वासन है। किंतु यह आश्वासन कोई स्वतःसिद्ध वरदान नहीं। रक्षा की कामना करने वाले को बन्धन स्वीकार करना ही पड़ता है। यह बन्धन ही अनुशासन है, यह बन्धन ही मर्यादा है, और यही बन्धन रक्षा को संभव बनाता है।

जो व्यक्ति अथवा समाज सुरक्षा चाहता है, उसे पहले यह समझना होगा कि रक्षा का आधार केवल बाहरी शक्ति नहीं, बल्कि आंतरिक संयम भी है। बिना बन्धन के रक्षा का कोई अस्तित्व नहीं। जैसे नदी अपने तटों के बन्धन में बहकर ही जीवनदायिनी बनती है, वैसे ही समाज अपने नियमों और मर्यादाओं के बन्धन में रहकर ही सुरक्षित और समृद्ध हो सकता है।

रक्षक का धर्म भी इसी सिद्धांत से बंधा है। चाहे वह सैनिक हो, पुलिसकर्मी हो, गुरु हो, अभिभावक हो या कोई भी संरक्षक। उसकी अपनी प्रतिज्ञाएं होती हैं। अपने आदर्श होते हैं। ये आदर्श ही उसके कार्य को पवित्रता और वैधता प्रदान करते हैं। जिस क्षण रक्षक अपने आदर्शों से विचलित होता है, उसी क्षण उसकी रक्षा-शक्ति क्षीण होने लगती है।

सच तो यह है कि रक्षा और बन्धन, दोनों एक ही सूत्र के दो छोर हैं। रक्षा का अर्थ है अमंगल का निवारण और मंगल का संवर्धन। और यह तभी संभव है, जब रक्षक और संरक्षित दोनों अपने-अपने बन्धनों को हृदय से स्वीकार करें। रक्षक के लिए बन्धन है सत्य, कर्तव्य और त्याग। संरक्षित के लिए बन्धन है विश्वास, अनुशासन और सहयोग।

हमारे शास्त्रों ने भी इस गूढ़ सत्य को अनेक हृदयस्पर्शी रूपों में व्यक्त किया है। रक्षाबंधन का पर्व इसी भाव का उत्सव है जहां एक पवित्र सूत्र बंधता है, जो केवल बहन की कलाई और भाई की प्रतिज्ञा के बीच का संबंध नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन में मर्यादा और सुरक्षा के सहअस्तित्व का प्रतीक है।

अतः यह स्मरण रहे कि रक्षा कोई मुक्त छूट नहीं देती, बल्कि हमें उन नियमों में बांधती है, जो हमारे अस्तित्व को संरक्षित रखते हैं। बन्धन को त्यागकर रक्षा की कल्पना करना ऐसा ही है, जैसे तटों को तोड़कर नदी से जीवन की अपेक्षा करना। जो रक्षा चाहता है, उसे बन्धन स्वीकार करना होगा और यही बन्धन हमारे भविष्य का सबसे दृढ़ कवच है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

बदलते युग में किताबों का बढ़ता महत्व

(सुभाष बुड़ावन वाला)

हर वर्ष 9 अगस्त को राष्टीय पुस्तक प्रेमी दिवस मनाया जाता है। यह दिन उन लोगों के लिए समर्पित है, जिन्हें पढ़ने से प्रेम है, जिनके लिए पुस्तकें सिर्फ ज्ञान का साधन नहीं, बल्कि आत्मिक संतुलन और मानसिक यात्रा की दिशा होती हैं। लेकिन आज के समय में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में अभी भी 'पुस्तक प्रेमी' समाज रह गए हैं?कुछ दशक पहले तक पुस्तकें ज्ञान, मनोरंजन और जीवन मूल्यों का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत थीं। घर में एक छोटी-सी लाइब्रेरी होना गर्व की बात होती थी। जो लोग पुस्तकें खरीद नहीं पाते थे, वे नगर पालिकाओं या संस्थागत पुस्तकालयों का सहारा लेते थे। वहां एक अकाउंट खुलता था, किताबें इश्यू होती थीं, और पढ़कर वापस कर दी जाती थीं। यह एक संस्कार था, ज्ञान साझा करने का संस्कार। मगर डिजिटल युग के आगमन के बाद यह परंपरा धीरे-धीरे सिमटती चली गई। आज स्मार्टफोन, टैबलेट और इंटरनेट ने न सिर्फ पुस्तकों की जगह ले ली है, बल्कि लोगों की एकाग्रता, धैर्य और अध्ययनशीलता को भी प्रभावित किया है। कई ऐतिहासिक और प्रमुख पुस्तकालयों पर ताले लग चुके हैं या अवैध कब्जे हो चुके हैं। युवाओं की एक पूरी पीढ़ी इन अनुभवों से अनभिज्ञ है। वे 'रील्स' में जीवन तलाशते हैं और 'मैसेज' में भावनाएं।हालांकि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने लेखन को लोकतांत्रिक रूप दिया है। अब कोई भी व्यक्ति अपनी बात कह सकता है, पोस्ट कर सकता है, साझा कर सकता है। इससे अनेक नए लेखक और विचारक सामने आए हैं, जो समाज के जमीनी मुद्दों को उठा रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह डिजिटल लेखन पारंपरिक साहित्यिक लेखन की गहराई, संवेदना और शोध की बराबरी कर सकता है? इसके साथ ही अब लेखन की दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने भी प्रवेश कर लिया है। यह लेखन को न केवल सरल बनाता है, बल्कि रचनात्मकता को एक नई दिशा भी देता है। पर जब सब कुछ 'तुरंत' मिलने लगता है, जैसे गूगल से आंकड़े, संदर्भ, उद्धरण, तो गंभीर और गहन चिंतन की आवश्यकता लोग कम महसूस करते हैं। यही कारण है कि आज के लेखन में सतहीपन मिलता है।इस बदलते परिदृश्य में यह जरूरी हो गया है कि हम पुस्तक प्रेम को फिर से पुनर्जीवित करें। बच्चों को लाइब्रेरी का संस्कार दें, युवाओं को डिजिटल लेखन के साथ-साथ परंपरागत साहित्यिक रचनाएं पढ़ने के लिए प्रेरित करें। पुस्तकों का संसार केवल जानकारी नहीं देता, वह दृष्टिकोण भी गढ़ता है।

देश की बेटियों की अस्मिता पर बाबाओं का अनर्गल प्रलाप क्यों?

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य कहता है कि पच्चीस साल की लड़की कई जगह मुंह मार चुकी होती है। क्या किसी कानून या सरकार ने अब इन बहरुपिए कथा वाचको को देश की बेटियों के चरित्र पर लांछन लगाने का अधिकार दे दिया है? कथा के नाम पर यह मात्र छठी कक्षा पढ़ा कथा वक्ता पिछले कुछ समय से जिस तरह की प्रश्नोत्तरी सोशल मीडिया पर वायरल कर प्रचार पा रहा है वह बेहद भौंडी और धर्म संस्कृति संस्कार सदाचरण से कोसो दूर है। अभी इस कथा वाचक का बयान समाज विशेषकर महिलाओं बच्चियों को मर्माहत कर रहा था कि इसी बीच पिछले कुछ समय में सोशल मीडिया पर छाकर अपनी पहचान बनाने वाले प्रेमानंद महाराज का बेहद आपत्तिजनक बयान वीडियो वायरल हो रहा है. इस वायरल वीडियो में प्रेमानंद महाराज लड़के और लड़कियों के चरित्र पर टिप्पणी कर रहे हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की करोड़ों बेटियां चिकित्सा अभियांत्रिकी सैना पुलिस शिक्षा स्वास्थ्य न्याय स्वरोजगार क्षेत्रों में धरती से लेकर अंतरिक्ष तक देश के लिए अपनी सेवाएं दे रही है क्या एक दो फीसदी पथ से भटकी लडकियों की वायरल रील को देश की तमाम नारी जगत के चरित्र के आकलन का मापदंड माना जा सकता है? लेकिन स्वयंभू बाबा इन दिनों देश की बेटियों के चरित्र पर लांछन लगा रावणी अपराध कर रहे हैं हाल ही में एक कथावाचक का युवतियों को लेकर बेहद आपत्ति जनक बयान वायरल हुआ। जिसमें यह कथावाचक अनिरुद्धाचार्य कहता है कि पच्चीस साल की लड़की कई जगह मुंह मार चुकी होती है। क्या किसी कानून या सरकार ने अब इन बहरुपिए कथा वाचको को देश की बेटियों के चरित्र पर लांछन लगाने का अधिकार दे दिया है? कथा के नाम पर यह मात्र छठी कक्षा पढ़ा कथा वक्ता पिछले कुछ समय से जिस तरह की प्रश्नोत्तरी सोशल मीडिया पर वायरल कर प्रचार पा रहा है वह बेहद भौंडी और धर्म संस्कृति संस्कार सदाचरण से कोसो दूर है। अभी इस कथा वाचक का बयान समाज विशेषकर महिलाओं बच्चियों को मर्माहत कर रहा था कि इसी बीच पिछले कुछ समय में सोशल मीडिया पर छाकर अपनी पहचान बनाने वाले प्रेमानंद महाराज का बेहद आपत्तिजनक बयान वीडियो वायरल हो रहा है. इस वायरल वीडियो में प्रेमानंद महाराज लड़के और लड़कियों के चरित्र पर टिप्पणी कर रहे हैं।

महाराज ने एक वायरल वीडियो में कहा है कि , 'आज के समय में 100 में से मुस्किल से दो-चार लड़कियां ही पवित्र होती हैं, बाकी सभी ब्वॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड के चक्कर में लगी हुई हैं.' प्रेमानंद महाराज का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। महाराज ने आगे कहा था, 'अगर कोई युवक 4 लड़कियों से संबंध बनाता है, तो वह अपनी पत्नी से संतुष्ट नहीं रह पाएगा, क्योंकि उसे व्यभिचार की आदत लग चुकी होती है. इसी तरह, जो लड़की चार पुरुषों से संबंध बना चुकी है, उसके अंदर एक पति को स्वीकार करने की हिम्मत नहीं रहती.' इसके अलावा उन्होंने कहा कि 100 में से मुश्किल से दो-चार कन्याएं ही ऐसी होती हैं, जो पवित्र जीवन जीकर किसी एक पुरुष को समर्पित होती हैं।

समझ से परे की बात है कि इस तरह का बयान उन्होंने क्यों दिया? उनके पास इस देश की नारी शक्ति की पवित्रता मापने का कौन सा मापदंड है? समूचे देश की बेटियों के चरित्र पर लांछन लगा रहे महाराज मात्र आठवीं तक की स्कूली शिक्षा पाए हैं सोशल मीडिया पर उनके एकांत वार्ता की हजारों रील प्रसारित है गुरू महिमा का बखान करने वाले एक बालक सक्षम की करुणा भरी आवाज़ में पार्श्व संगीत के साथ बजने वाले वायरल भजन ने बड़ी तादाद में लोगों को उनके प्रति आकर्षित किया है। कभी भक्तों की ओडी और महंगी गाड़ियों में कभी पैदल रात के दो तीन बजे अपने आवास से आश्रम की यात्रा के दौरान हजारों भक्तो के जमघट और जयकारे की रील खूब प्रचारित की जाती रही है। संघ प्रमुख मोहन भागवत क्रिकेट प्लेयर विराट अनुष्का या कुछ अन्य माननीय उन से भेंट करने आ चुके हैं यह उन्हें सर्वमान्य होने का अहसास कराता है लेकिन ख्याति को पचा पाना सब के वश की बात नहीं है उनके साथ भी यही हुआ है इसे मतिभ्रम की स्थिति ही कहा जाए कि इस सबके बावजूद उन्होंने भाषा और शालीनता की तमाम मर्यादाओं को तोड़कर जिस तरह की टिप्पणी देश की बेटियों की अस्मिता पर की है वह वास्तव में एक संत के मुख से शोभा नहीं देती है। न यह सच्चे संत की भाषा या विचार हो सकता है।

दरअसल इन दिनों सोशल मीडिया पर सैकड़ों पथ से भटक गयी युवतियों की अवांछनीय हरकतों की रील तरह तरह से वायरल कर इस तरह का वातावरण तैयार किया जा रहा है जिसमें युवतियों लड़कियों को आचरण हीन और मर्यादाहीन जीवन में रत होने का प्रचार किया जा रहा है। लेकिन इस तरह के अमर्यादित वस्त्र और व्यवहार मात्र एक दो प्रतिशत लड़कियां या युवतियां करती है ये सोशल मीडिया पर वायरल रील समूचे समाज की बानगी नहीं है यदि कोई इन रील के आधार पर समाज के चरित्र का आकलन करता है तो वह निरा मूर्ख है। अल्पशिक्षित कथा वक्ता इसी तरह का काम कर रहे हैं। महाराज बयान कर रहे हैं कि सौ में से दो चार ही कन्याएं ही ऐसी होती है जो पवित्र जीवन जीकर किसी एक पुरुष को समर्पित होती है। यह बयान निसंदेह एक संत का नही हो सकता है। यदि उनके अपने बेटी होती तो भी वह ऐसा असभ्यता अशालीन और अतार्किक बयान शायद नहीं करते।

इस तरह की बयानबाजी समाज में नर नारी के बीच आपसी विश्वास और संबंधों में दरार और संदेह उत्पन्न करेगी। खासकर ऐसे समय में जब भारतीय समाज नीले ड्राम वाली मुस्कान और हनीमून पर पति का कत्ल कराने वाली सोनम के दुराचरण से आहत हैं और युवाओं में विवाह के प्रति आकर्षण उतार पर है संदेह और अविश्वास को बढ़ाने वाले बयान देना समूचे समाज की मानसिकता में महिलाओं लड़कियों के प्रति संदेह और अविश्वास का बीजारोपण कर सकता है। हर शहर कस्बे में इन कथा वक्ता और महाराज के बयानों को लेकर महिलाओं खास कर लड़कियों में गहरी नाराजगी है लेकिन इन लोगों ने अपने बयान पर शर्मिंदगी जताने की इंसानियत भी नही दिखाई है। इनका ऐसा रवैया इनके दम्भ को दर्शाता है।

आपकों बता दें कि भारत के पुरातन वेदों शास्त्रों में नर नारी को न सिर्फ समान सम्मान और आदर से प्रतिष्ठित किया गया है वैदिक ऋचाओं में विश्ववारा गोधा सरमा अपाला घोषा शची लोपामुद्रा भारतीय नारी ऋषियों का बेहद सम्मान पूर्ण स्थान रहा है इतना ही नहीं शास्त्रों में वर्णित सप्तऋषियों में भी एक अरूंधती महिला सप्तऋषि स्थान पर पदस्थ की गयीं जिस सनातन संस्कृति में नारी का इतना उच्च व गौरवशाली स्थान रहा है सीता सावित्री गार्गी के चरित्र अनुपम हैं देश की युवा पीढ़ी की बच्चियों को भारतीय नारियों के गौरवशाली अतीत को स्मरण कराने की जरूरत है न कि उन के चरित्र हनन करने की। इस तरह के अतिरंजित घृणा भरे बयान भारतीय युवा पीढ़ी की बच्चियों के हृदय में सुधार के स्थान पर कुंठा और अवसाद को जन्म देगा। जिन वेदों की ऋचाओं को स्वयं नारी ऋषियों ने गढ़ा कालांतर में मध्ययुगीन काल में महिलाओं को ही वेदों के पठन पाठन का अधिकारी नहीं होने का शिगूफा कुछ तत्कालीन धर्म के स्वयंभू ठेकेदारों ने छोड़ा आज भी इस तरह के कथा वक्ता और महाराज कालनेमियो की तरह नारी के प्रति बेहद घृणास्पद चरित्र हनन करने वाली बदजुबानी कर नारी सम्मान और अस्मिता पर लांछन लगा रहे हैं।

रील के प्रचार प्रसार के बूते पर समाज में दबदबा बनाने वाले इन लोगों को जानना चाहिए ऋग्वेद में नारी के लिए लिखा है स्त्री हि ब्रह्मा वभुविथ यानि नारी ब्रह्मज्ञान की अधिष्ठाता है वह स्वयं विदुषी होती है संतान को सुशिक्षित बनाती है। भारतीय नारी आज भी संसार में अपने उज्जवल चरित्र के लिए पहचान रखती है देश के सर्वोच्च राष्टपति पद पर एक महिला सुश्री द्रोपदी मुर्मू देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश के राज्यपाल पद पर महिला सुश्री आनंदी बेन कुशलता से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहीं हैं तो देश की बेटी विंग कमांडर सोफिया कुरैशी आपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की सीमा पर जबाव देती है तो सुप्रीम कोर्ट में महिला न्याय मूर्ति बी बी नागरत्ना देश की नारी जगत की गरिमा को अभिवृद्धि कर रहीं हैं।

हनुवंतिया को कहते है मध्य प्रदेश का मिनी गोवा

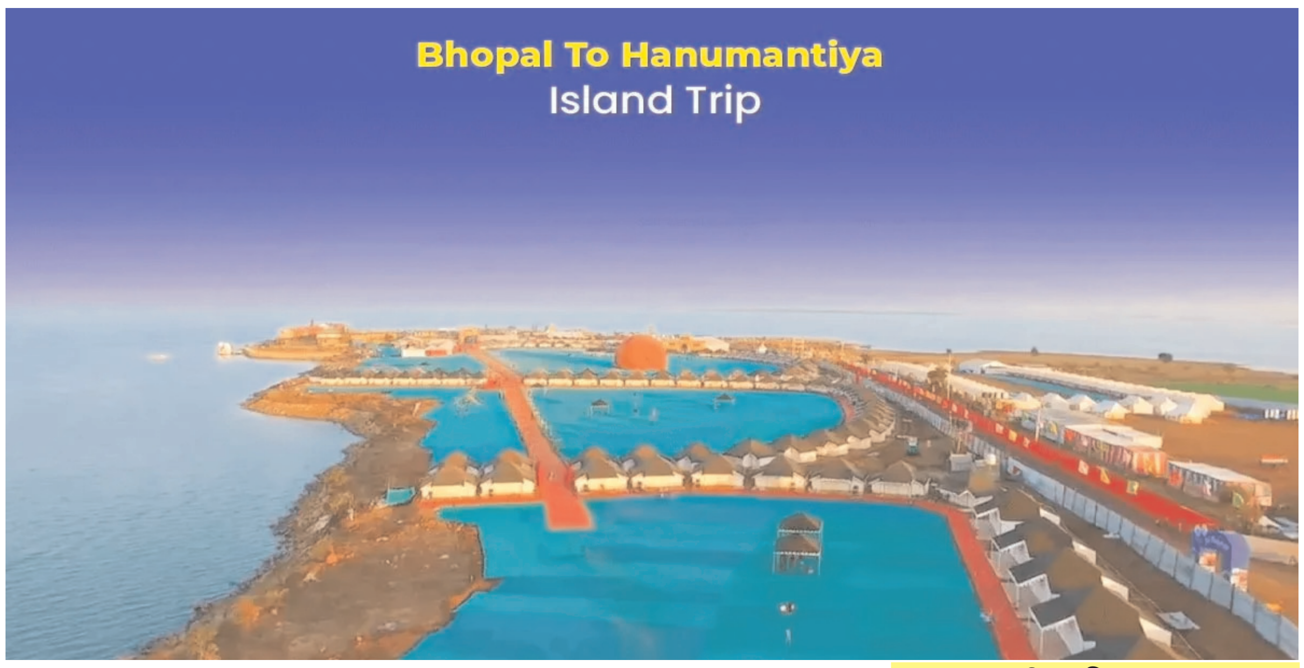

मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं।

मध्य प्रदेश का गठन साल 1956 में हुआ था। यह देश के सबसे बड़े राज्यों में शामिल एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य भी है। देश के मध्य में स्थित मध्य प्रदेश में कई ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर सिर्फ देशी ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटक भी घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनुवंतिया की खूबसूरती और इसकी खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

हनुवंतिया

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में इंदिरा सागर बांध के पास हनुवंतिया स्थित है। यह खंडवा शहर से करीब 45 किमी दूरी पर मौजूद है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हनुवंतिया करीब 233 किलोमीटर दूर है। वहीं इंदौर से करीब 138 किमी, देवास से करीब 195 किमी और उज्जैन से 197 किमी दूर है।

इस जगह की खासियत

बता दें कि इंदिरा सागर बांध के बैकवाटर में स्थित हनुवंतिया मध्य प्रदेश की एक मनमोहक जगह है। हनुवंतिया को कई लोग आइलैंड या हनुवंतिया टापू के नाम से भी जानते हैं। इस जगह की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि लोग इसको एमपी का मिनी गोवा भी कहते हैं।

यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ एक फेमस पर्यटन स्थल माना जाता है। यहां पर गर्मियों में भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। हनुवंतिया टापू नीले रंग के पानी और खूबसूरती के कारण गोवा की याद दिलाता है। वहीं मानसून में हनुवंतिया की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

सैलानियों के लिए क्यों है खास

गर्मियों में हनुवंतिया को मध्य प्रदेश को एक परफेक्ट पॉइंट माना जाता है। खासकर वीकेंड में भारी संख्या में पर्यटक घूमने और पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं।

हनुवंतिया का शांत और शुद्ध वातावरण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए जाना जात है। यहां पर कई लोग सिर्फ एडवेंचर एक्टिविटी करने के लिए पहुंचते हैं।

वॉटर स्पोर्ट्स के लिए है फेमस

बता दें कि हनुवंतिया बीच मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा वाटर एक्टिविटी के लिए जाना जाता है। यहां पर कई सैलानी सिर्फ मोटरबोटिंग, गोताखोरी, जेट स्कीइंग, सर्फिंग और जोरबिंग के अलावा हॉट एयर बैलूनिंग और पैरा एक्टिविटीज जैसी शानदार और मजेदार एक्टिविटी के लिए पहुंचते हैं।

हर साल हनुवंतिया आइलैंड में जल महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव में शामिल होने के लिए हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक शामिल होते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

बता दें कि हनुवंतिया के आसपास कई शानदार और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं। जिनको आप ट्रिप के दौरान एक्सप्लोर कर सकते हैं। जैसे इंदिरा सागर बांध, घंटाघर, गौरी कुंज, नागचून बांध खंडवा, तुलजा भवानी माता मंदिर को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

बारिश के मौसम का मजा लेना है तो महाराष्ट्र की इन जगहों पर जरूर जाएं

परिवार या दोस्तों के साथ घूमना किसे पसंद नहीं होता? कई लोग ट्रिप पर जाने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते हैं. खासकर अपने पार्टनर या गर्लफ्रेंड के साथ ट्रिप पर जाना कई लोगों को काफी खुशी देता है. इसलिए ज्यादातर लोग अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मस्ती करने के लिए खूबसूरत जगहों पर जाना पसंद करते हैं. अगर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिताना चाहते हैं तो आज हम आपके लिए कुछ ऐसी जगहों की जानकारी लेकर आए हैं जो जुलाई में कपल्स के घूमने के लिए बेस्ट जगह हैं. खबर के जरिए जानते हैं कि मानसून में अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए कौन सी जगहें बेस्ट हैं.

लोनावाला

मानसून के मौसम में लोनावाला घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है। इस जगह की खूबसूरती और प्रकृति का अनोखा नजारा हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है. खासकर अगर प्रेमी जोड़े और नवविवाहित जोड़े यहां जाएं तो उन्हें बहुत मजा आएगा. क्योंकि यहां का भूशी डैम, टाइगर प्वाइंट, हरी-भरी पहाड़ियां, प्रकृति और खूबसूरत फूलों के बगीचे हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं. इसलिए यह जगह प्रेमी जोड़ों, नवविवाहितों और जोड़ों के लिए सबसे अच्छा पर्यटन स्थल माना जाता है.

मुलशी

अगर आप अपने पार्टनर के साथ मानसून के मौसम का मजा लेना चाहते हैं तो पुणे के पास मुलशी घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है. क्योंकि यहां का इलाका बेहद खूबसूरत है. अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और प्रकृति के लिए मशहूर यह जगह पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है. खास तौर पर धुंध भरी पहाड़ियां और मुलशी डैम देखने लायक बेहद खूबसूरत जगह हैं.

माथेरान हिल स्टेशन

माथेरान हिल स्टेशन अपने प्रेमी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह है. यह सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है.मुंबई और पुणे के पास स्थित यह बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन अपनी हरी-भरी पहाड़ियों के साथ बेहद खूबसूरत नजारा देता है. ऐसी प्राकृतिक खूबसूरती के बीच अपने साथी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमना आपके बीच प्यार को और बढ़ा देगा. इसलिए माथेरान लवर्स के लिए एक बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट है.

हरिश्चंद्रगढ़

खूबसूरत कॉफी बागानों में अपने प्रियतम के साथ गपशप करने के लिए यह एक बेहतरीन जगह है. मानसून के मौसम में घूमने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है. जो लोग ट्रैकिंग करना चाहते हैं, वे इस जगह पर जा सकते हैं, बर्फीले पहाड़ों, कॉफी बागानों, हरे-भरे पेड़ों, रिमझिम बारिश के बीच कोंकण तट की खूबसूरती को निहार सकते हैं. आप अपने साथी के साथ खुशी के पल बिता सकते हैं। इसलिए, मानसून के मौसम में घूमने के लिए हरिश्चंद्रगढ़ सबसे अच्छी जगह है.

लवासा

वरसगांव झील के किनारे स्थित लवासा में अनगिनत वाटर स्पोर्ट्स हैं. महाराष्ट्र में स्थित यह शहर इतालवी शहर पोर्टोफिनो की तर्ज पर बना है. यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचे और मनोरंजक गतिविधियों के लिए जाना जाता है. यह जगह कपल्स के लिए बेहद रोमांचक हो सकती है.

शिशु के सीने में जमा हो गया है कफ! ये 7 उपाय दिलाएंगे आराम

बदलते मौसम, प्रदूषण, बीमारियां और अनहेल्दी लाइफस्टाइल अक्सर सीने में कंजेशन (बलगम जमा होना) की समस्या पैदा कर सकते हैं। खासकर शिशुओं में यह समस्या बहुत आम है। सर्दी-जुकाम और छाती में बलगम जमना अक्सर बदलते मौसम या संक्रमण के कारण होता है। शिशुओं की इम्यूनिटी पावर (प्रतिरक्षा क्षमता) बड़ों की तुलना में बहुत कमजोर होती है क्योंकि उनका शरीर पूरी तरह विकसित नहीं होता। इसलिए वे मौसम में बदलाव या हल्के संक्रमण के कारण जल्दी प्रभावित हो जाते हैं।

शिशुओं में छाती में बलगम जमने की समस्या क्यों होती है?

शिशुओं की छाती में बलगम जमने से वे सांस लेने में परेशानी, बेचैनी, भूख में कमी, चिड़चिड़ापन और नींद न आने जैसी परेशानियां महसूस करते हैं। अपनी नन्ही जान को तकलीफ में देखकर माता-पिता भी बहुत चिंतित हो जाते हैं। अगर शिशु की छाती में जमा बलगम समय पर साफ न किया जाए तो इससे फेफड़ों में संक्रमण या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए शिशुओं की देखभाल करते समय इस समस्या को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

शिशु के छाती में जमा कफ कैसे निकालें?

कूल-मिस्ट ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें: यह हवा में नमी बढ़ाता है, जिससे शिशु की सांस की नली और छाती में जमा बलगम पतला होकर आसानी से बाहर निकल जाता है।

नम हवा का सेवन कराएं: नम हवा सांस की नली में मौजूद सूजन और जलन को कम करती है, जिससे कंजेशन की समस्या कम होती है।

खांसी को बढ़ावा दें: कई बार खांसी होने से बलगम निकलने में मदद मिलती है। खांसी आने पर बच्चे की मदद करें ताकि बलगम बाहर आ सके।

स्टीम बाथ या भाप दें: बच्चे को गर्म पानी की भाप देना या स्टीम बाथ देना भी बलगम को बाहर निकालने में सहायक होता है।

मालिश करें: शिशु के माथे, कनपटी, नाक और सिर के निचले हिस्से पर हल्का गर्म तेल लगाकर मालिश करें। इससे नासिका मार्ग खुलता है और बलगम हटाने में आसानी होती है।

ऑर्गेनिक चेस्ट रब का इस्तेमाल करें: शिशु के सीने पर ऑर्गेनिक चेस्ट रब लगाने से सांस की नली खुलती है और बलगम कम होता है।

पीठ थपथपाना: बच्चे की पीठ को धीरे-धीरे थपथपाने से भी छाती में जमा बलगम ढीला होकर बाहर निकल सकता है।

ये भी पढ़े: बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट के लिए 5 बेस्ट नाश्ते, पेरेंट्स करें जरूर ट्राई

शिशु की छाती में कफ जमने के मुख्य कारण

वायरल संक्रमण: शिशुओं को अक्सर वायरल संक्रमण होता है, जिससे सर्दी-जुकाम होता है और बलगम जमा हो जाता है।

प्रदूषण और धूल: वातावरण में मौजूद धूल और प्रदूषक शिशुओं की नाजुक सांस की नली को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे बलगम बनता है।

एलजी: धूल, पालतू जानवरों के बाल या अन्य एलर्जी पैदा करने वाले कारण भी शिशुओं में कफ बनने की संभावना बढ़ा सकते हैं।

गंभीर बीमारियाँ: कभी-कभी ब्रोंकाइटिस या फेफड़ों का संक्रमण भी बलगम जमने का कारण बन सकता है।

गलत दूध पिलाने की स्थिति: शिशु को दूध देते समय गलत पोश्चर होने पर दूध सांस की नली में जा सकता है, जिससे बलगम जमा हो सकता है।

शिशु की देखभाल और सावधानियां

शिशु के सीने में बलगम जमने से बचाने के लिए उनकी स्थिति पर ध्यान रखें। यदि कंजेशन की समस्या लगातार बनी रहती है या बढ़ जाती है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। उचित समय पर इलाज न मिलने पर यह समस्या गंभीर हो सकती है और शिशु के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती है।

अगर आप अपने नन्हे बच्चे को स्वस्थ और खुश रखना चाहते हैं तो इन बातों का ध्यान रखें और किसी भी असुविधा में देर न करें। शिशु की छाती में जमा कफ निकालना मुश्किल जरूर हो सकता है, लेकिन सही उपाय अपनाने से आप अपने बच्चे को राहत जरूर दिला सकते हैं।

साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं कुल्लू और मनाली

कुल्लू को 卐देवताओं की घाटी卐 के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कुल्लू और मनाली, हिमाचल प्रदेश के दो अत्यंत लोकप्रिय पर्वतीय स्थल हैं, जो प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बर्फ से ढकी चोटियाँ, हरे-भरे जंगल, सुंदर घाटियाँ और शांत वातावरण इन स्थलों को किसी स्वर्ग से कम नहीं बनाते।

कुल्लू – देवताओं की घाटी

कुल्लू को 卐देवताओं की घाटी卐 के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है।

प्रमुख आकर्षण:

रघुनाथ मंदिर– यह कुल्लू का सबसे प्रसिद्ध मंदिर है, जिसे भगवान राम को समर्पित किया गया है।

कुल्लू दशहरा– यहाँ का दशहरा उत्सव विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें हजारों लोग भाग लेते हैं और अलग-अलग देवताओं की झांकियाँ निकाली जाती हैं।

बिजली महादेव मंदिर– एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक भावना का संगम है।

मनाली– साहसिक यात्रियों का स्वर्ग

कुल्लू से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित मनाली एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो विशेष रूप से नवविवाहित जोड़ों, ट्रेकिंग और स्कीइंग के शौकीनों के बीच लोकप्रिय है।

प्रमुख आकर्षण:

हिडिम्बा देवी मंदिर– यह मंदिर अद्वितीय वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है और पांडवों की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है।

सोलंग वैली– स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, ज़िपलाइनिंग और स्नोबोर्डिंग जैसी गतिविधियों के लिए आदर्श स्थान।

रोहतांग पास– यह ऊँचाई पर स्थित दर्रा साल के अधिकतर हिस्सों में बर्फ से ढका रहता है और हिमाचल का सबसे आकर्षक स्थान माना जाता है।

वशिष्ठ कुंड– यहाँ के गर्म पानी के स्रोत प्राकृतिक औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध हैं।

कुल्लू-मनाली में करने योग्य गतिविधियाँ

रिवर राफ्टिंग (ब्यास नदी में)

ट्रेकिंग (हामटा पास, बीजली महादेव, भृगु झील ट्रेक)

कैंपिंग और बोनफायर

लोक-संगीत और नृत्य का आनंद

हस्तशिल्प, ऊनी कपड़े और लकड़ी के सामान की खरीदारी

यात्रा की उत्तम अवधि

मार्च से जून के बीच का समय गर्मियों की छुट्टियों के लिए सबसे अच्छा है, जबकि दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी और विंटर स्पोर्ट्स का आनंद लिया जा सकता है। मानसून के समय (जुलाई-अगस्त) यात्रा से बचना बेहतर होता है।

कैसे पहुँचे?

हवाई मार्ग: निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो मनाली से लगभग 50 किमी दूर है।

सड़क मार्ग: दिल्ली, चंडीगढ़ और शिमला से नियमित बस और टैक्सी सेवा उपलब्ध है।

रेल मार्ग: नजदीकी रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, हालांकि चंडीगढ़ से सड़क मार्ग अधिक सुविधाजनक है।

कुल्लू-मनाली केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक अनुभव है– प्रकृति, रोमांच, आध्यात्मिकता और संस्कृति का अनोखा संगम। चाहे आप सुकून भरे पल बिताना चाहें या साहसिक गतिविधियों का लुत्फ उठाना, यह स्थल हर तरह से आपको संतुष्टि प्रदान करेगा।

वीफिन करेगी एस्टोरिफ़ी और ग्लोबटीएफ का विलय, वैश्विक विकास को देगा नया रफ्तार

मुंबई, एजेंसी। वीफिन सॉल्यूशन्स लिमिटेड जो कि वर्किंग कैपिटल टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन्स की एक अग्रणी वैश्विक प्रदाता कंपनी है, ने आज घोषणा की कि उसके बोर्ड ने उसकी सहायक कंपनियाँ — एस्टोरिफ़ी सॉल्यूशन्स लिमिटेड (एस्टोरिफ़ी) और ग्लोबटीएफ सॉल्यूशन्स लिमिटेड (ग्लोबटीएफ) — को मूल कंपनी के साथ विलय या किसी अन्य उपयुक्त माध्यम से एकीकृत करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की है। यह वीफिन की यात्रा का एक अहम पड़ाव है, जो दुनिया का सबसे व्यापक और लचीला वर्किंग कैपिटल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म रचने की दिशा में एक बड़ा कदम है। अब एम्बेडेड फाइनेंस, ट्रेड फाइनेंस, डिजिटल लेंडिंग और कैश मैनेजमेंट—ये सभी कोर समाधान एक ही छत के नीचे, एकीकृत रूप में उपलब्ध होंगे, जिससे ग्राहकों को मिलेगा एक सशक्त और सहज अनुभव। एकीकृत प्लेटफॉर्म पर साजेदारी का निर्माण ङ्क पिछले एक वर्ष में, वीफिन ने जैविक वृद्धि और रणनीतिक अधिग्रहणों के माध्यम से एक मजबूत और परस्पर-संगत वित्तीय इकोसिस्टम तैयार किया है। अब प्रत्येक व्यवसाय एक-दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करता है, जिससे वित्तीय संस्थानों और कॉर्पोरेट्स के लिए एक संपूर्ण एंड-टू-एंड टेक्नोलॉजी स्टैक तैयार हुआ है। एस्टोरिफ़ी, जो पीएसबीएक्स चेंज प्लेटफ़ॉर्म का संचालन करता है, कॉरपोरेट्स और एसएमइ को फिनटेक्स, मार्केटप्लेस और गैर-वित्तीय प्लेटफॉर्म्स पर जोड़ते हुए, उनकी सप्लाय चेन फाइनेंसिंग, ट्रेड फाइनेंस और वर्किंग कैपिटल ज़रूरतों के लिए कई बैंकों और एनबीएफसीएस तक पहुंच दिलाता है। यह अभिनव और वैश्विक-स्तर पर अपनी तरह का पहला प्लेटफ़ॉर्म है, जो वित्तीय संस्थानों के लिए एक डिजिटल ब्रिज का काम करेगा ङ्क तकनीक और वित्त के संगम का नया युग शुरू करते हुए।

नर्मदा एग्रोबेस का ईबीआईटीडीए मार्जिन में 1140 बेसिस पॉइंट बढ़कर 14.47 प्रतिशत पर पहुँचा

गुजरात, एजेंसी। नर्मदा एग्रोबेस लिमिटेड (बीएसई: 543643, एनएसई: एनएआरएम), जो पशु चारा और कृषि आधारित उप-उत्पादों के निर्माण में अग्रणी स्थान रखती है, ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (क्यू1 एफवाय26) के लिए अपने असंशोधित वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी देशभर में अपनी गुणवत्तापूर्ण उत्पाद श्रृंखला के लिए जानी जाती है और निरंतर विकास की दिशा में अग्रसर है। नर्मदा एग्रोबेस लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नीरज अग्रवाल ने कहा, बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति पर हमारे निरंतर ध्यान ने हमें लाभप्रदता को मजबूत करने में सक्षम बनाया है। एफवाय26 की पहली तिमाही में हमारा ईबीआईटीडीए मार्जिन तिमाही-दर-तिमाही 1140 आधार अंकों की वृद्धि के साथ 14.47 प्रतिशत तक पहुँच गया है। यह प्रदर्शन हमारी संचालन उत्कृष्टता और उत्पाद स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जहां इस तिमाही में कुल आय ?1,141.34 लाख रही। इसके बावजूद, हमने मजबूत मार्जिन बनाए रखा, जो हमारे व्यवसाय की मजबूती और गुणवत्ता-प्रथम रणनीति की प्रभावशीलता को दर्शाता है। कपास बीज आधारित पशु आहार और संबंधित उत्पादों के निर्माण में उच्च गुणवत्ता बनाए रखने पर हमारे निरंतर जोर ने हमें ग्राहकों का विश्वास और बाजार में प्रासंगिकता बनाए रखने में मदद की है। एक ढ्ढस्ह प्रमाणित संस्था के रूप में, हम कठोर गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने और विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादों की सुसंगत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

देश में 90 प्रतिशत भारतीयों की मंथली इनकम 25 हजार रुपये से कम

बैंक अकाउंट में 50000 कैसे रखेंगे आईसीआईसीआई बैंक पर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के दूसरे सबसे बड़े प्राइवेट बैंक आईसीआईसीआई ने हाल ही में बैंक अकाउंट से संबंधित कुछ बदलाव किए थे। ये बदलाव अकाउंट में मिनिमम बैलेंस को लेकर थे। बैंक ने मिनिमम बैलेंस की सीमा बढ़ा दी है। इसे लेकर यह बैंक सवालों के घेरे में आ गया है। अब इस मामले में मशहूर उद्योगपति और बैंकर उदय कोटक के बेटे जय कोटक ने भी आईसीआईसीआई बैंक की आलोचना की है।

बता दें कि आईसीआईसीआई बैंक के नए नियम के अनुसार 1 अगस्त से मेट्रो और शहरी इलाकों में खाता खोलने वाले नए ग्राहकों को हर महीने औसतन 50000 रुपये रखने होंगे। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो उन्हें जुर्माना देना होगा। पुराने ग्राहकों के लिए यह नियम 10000 रुपये ही रहेगा। इसका मतलब है कि नए ग्राहकों को ज्यादा पैसे रखने होंगे।

क्या कहा जय कोटक ने

जय कोटक ने आईसीआईसीआई बैंक के इस नियम की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक ने जो न्यूनतम बैलेंस की सीमा बढ़ाई है, वह गलत है। इससे उन मीडिल क्लास के लोगों को परेशानी होगी जिनकी कमाई 25 हजार रुपये या उससे कम है। उन्हें अपनी कमाई का ज्यादातर हिस्सा बैंक में रखना होगा, ताकि जुर्माना न लगे। जय कोटक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह नियम देश की आमदनी को ध्यान में नहीं रखता। उन्होंने कहा, हर भारतीय को वित्तीय सेवाओं तक पहुंच मिलनी चाहिए।

- **डिजिटल बैंकिंग पर फोकस**- जय कोटक ने डिजिटल बैंकिंग और फिनटेक प्लेटफॉर्म को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि ये प्लेटफॉर्म कम और मध्यम आय वाले ग्राहकों के लिए ज्यादा बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों के लिए फिजिकल सेवाएं महंगी हैं, इसलिए डिजिटल बैंकिंग ही भविष्य है।
- **क्या है आईसीआईसीआई बैंक का नया नियम**- आईसीआईसीआई बैंक के नए नियम के अनुसार, 1 अगस्त से मेट्रो और शहरी इलाकों में खाता खोलने वाले ग्राहकों को हर महीने औसतन 50000 रुपये रखने होंगे। पुराने ग्राहकों के लिए यह नियम 10000 रुपये ही रहेगा। यह नियम नए खाताधारकों के लिए है। नए सेमी-अर्बन खाताधारकों को 25000 रुपये रखने होंगे, जबकि नए ग्रामीण ग्राहकों को 10000 रुपये रखने होंगे। पुराने ग्राहकों के लिए ग्रामीण और सेमी-अर्बन इलाकों में यह बैलेंस 5000 रुपये ही रहेगा।
- **कितना देना होगा जुर्माना**- अगर ग्राहक बैंक अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस नहीं रखते हैं, तो उन्हें जुर्माने के तौर पर मंथली बैलेंस में कमी का 6 प्रतिशत या 500 रुपये (जो भी कम हो) देने होंगे। इसके अलावा, बैंक अब हर महीने तीन मुफ्त कैश जमा करने की सुविधा देगा।

बीएलएस पॉलिमर्स लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। बीएलएस पॉलिमर्स लिमिटेड (कंपनी), ने बाज़ार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। यह कंपनी दूरसंचार, बिजली, रेलवे, जल, तेल और गैस वितरण जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण उद्योगों को सेवा प्रदान करने वाले कस्टम-निर्मित पॉलीमर कंपाउंड्स के कई ग्रेड का निर्माण करती है। कंपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से इक्विटी शेयर पूंजी की पेशकश के जरिए धन जुटाने की योजना बना रही है। सार्वजनिक पेशकश में 10 रुपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य के 1,70,00,000 तक के इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम शामिल है।

बीएलएस पॉलिमर्स लिमिटेड पॉलीमर कंपाउंड्स के कई ग्रेड के निर्माण में लगी हुई है। पॉलीमर कंपाउंड्स का उपयोग बिजली, दूरसंचार और रेलवे उद्योगों में उपयोग होने वाले तारों और केबलों के आवरण और इन्सुलेशन के साथ-साथ भूमिगत तेल, गैस और पानी के पाइपलाइनों पर कोटिंग के लिए एक आवश्यक कच्चे माल के रूप में किया जाता है, ताकि उन्हें जंग और बाहरी पर्यावरणीय कारकों से सुरक्षा प्रदान की जा सके। (स्रोत- क्रिसिल रिपोर्ट)। कंपनी के उत्पाद तेल, गैस और पानी सहित महत्वपूर्ण उद्योगों में उच्च-प्रदर्शन वाले अनुप्रयोगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

टेक्नोलॉजी-ड्रिवन आईवियर कंपनी लेंसकार्ट लेकर आ रहा 2150 करोड़ रूपये का आईपीओ

मुंबई, एजेंसी। लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड भारत की अग्रणी ओमनी-चैनल आईवियर रिटेलर, जिसने किफायती और फैशनेबल प्रिस्क्रिप्शन चश्मे, धूप के चश्मे और कॉन्टैक्ट लेंस की एक विस्तृत श्रृंखला पेश की है, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर दिया है।

यह ऑफर 21,500 मिलियन (2150 करोड़) के नए इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और कुछ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 132,288,941 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल करता है। ओएफएस में बेचने वाले शेयरधारकों में प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स जैसे पीयूष बंसल, नेहा बंसल, अमित चौधरी और सुमीत कपही शामिल हैं, साथ ही इन्वेस्टर सेलिंग शेयरहोल्डर्स जैसे एसवीएफ सेकंड लाइटबल्ब (केमैन) लिमिटेड, श्रोडर्स कैपिटल प्राइवेट इक्विटी एशिया मॉरीशस लिमिटेड, पीआई ऑपर्चुनिटीज फंड - सेकंड, मैक्रिटची इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, केदारा कैपिटल फंड सेकंड एलएलपी, और अल्फा वेव वेंचर्स एलपी भी शामिल हैं। कंपनी डीआरएचपी फाइल करने से पहले 430 करोड़ तक का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट कर सकती है। यदि ऐसा किया जाता है, तो यह फ्रेश इश्यू के आकार से कम हो जाएगा। कंपनी आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग विभिन्न रणनीतिक पहलों के लिए करने का प्रस्ताव करती है, जिसमें भारत में नए कंपनी-संचालित कंपनी-स्वामित्व वाले स्टोर स्थापित करने के लिए पूंजीगत व्यय (कैपेक्स); इन ष्टश्वष्टश्व स्टोर्स के लिए लीज, किराए और लाइसेंस समझौतों से संबंधित भुगतान; प्रौद्योगिकी और क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश; ब्रांड जागरूकता बढ़ाने के लिए ब्रांड मार्केटिंग और व्यवसाय प्रचार; संभावित अज्ञात अकार्बनिक अधिग्रहण (इनऑर्गेनिक एक्विजिशन); और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य शामिल हैं।

टेक्सटाइल क्षेत्र के मझोले उद्यम टैरिफ के कारण झेल सकते हैं मंदी की मार

चार लाख लोगों पर छंटनी का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की ओर से भारत से निर्यात की जाने वाले उत्पादों 50 प्रतिशत निर्यात शुल्क बढ़ाए जाने की घोषणा का सबसे अधिक असर भारत के टेक्सटाइल और जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर पर होने की आशंका है। उद्योग जगत के जानकारों का मानना है कि इस क्षेत्र में बड़े निर्यातकों पर तो असर पड़ेगा ही, लेकिन छोटे और मध्यम दर्जे (एमएसएमई) के निर्यातकों व उद्योगों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। टैरिफ के असर से एमएसएमई सेक्टर में मंदी आने और छंटनी का दौर शुरू होने की आशंका है। टेक्सटाइल और जेम्स एंड ज्वेलरी दोनों ही क्षेत्र श्रमिकों पर आधारित उद्योग हैं। इस कारोबार से लाखों एमएसएमई जुड़े हुए हैं। भारत के कुल वस्त्र निर्यात का 35 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका जाता है, अब टैरिफ की वजह से इसमें भारी

गिरावट आने की आशंका है। अगर ऐसा होता है तो बड़े पैमाने पर इन छोटे व मझोले उद्यमों में कार्यरत श्रमिकों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है।

टेक्सटाइल क्षेत्र में रोजगार जाने का खतरा बढ़ा- कंफेडरेशन ऑफ इंडिया टेक्सटाइल इंडस्ट्री के अनुसार भारत में परिधान निर्यातक पहले से ही धीमे हो चुके हैं और अब इस टैरिफ की वजह से भारतीय परिधान बांग्लादेश और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की वजह से पीछे रह जाएंगे। इसकी वजह से इस क्षेत्र में लगे 4 लाख से अधिक लोगों के रोजगार पर संकट मंडरा रहा है।

भारत के परिधान उद्योग को उठाना पड़ सकता है भारी नुकसान- 20,000 निर्माताओं और निर्यातकों का प्रतिनिधित्व करने वाले क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुख्य सरंक्षक राहुल मेहता ने बताया कि भारत पर लगे 50 प्रतिशत टैरिफ की वजह से भारत के परिधान उद्योग को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। क्योंकि अब भारतीय परिधानों की लागत 30 से 35 प्रतिशत बढ़ जाएगी, उसकी तुलना में बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों जिन पर टैरिफ शुल्क कम है उनको फायदा मिलने की पूरी संभावना है। उनका कहना है कि यह स्थिति बहुत ही तनापूर्ण है और इस समय मौजूदा शिपमेंट रुक गए हैं वहीं निर्यात ऑर्डर में भी भारी गिरावट देखने को मिल रही है। इसमें बड़े निर्यातक ही नहीं एमएसएमई निर्यातक को भारी नुकसान होगा। उदाहरण के लिए बड़ा निर्यात 10 बिलियन डॉलर का ऑर्डर खोता है तो वह उसके लिए बड़ी रकम है, वहीं छोटे निर्यातक 2 बिलियन का ऑर्डर कैंसल होता है तो वह उसके लिए बड़ी परेशानी है।

कैप्टन पॉलीप्लास्ट का वित्तवर्ष 2026 की पहली तिमाही में

स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ 51 प्रतिशत वार्षिक आधार पर बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड माइक्रो इरीगेशन समाधान के अग्रणी निर्माता और निर्यातक में से एक है, जिसने अपने संचालन को तेज़ी से बढ़ते सोलर ईपीसी सेगमेंट में भी विस्तार किया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम जारी किए हैं। कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक श्री रितेश खिचड़िया ने कहा हमने नए वित्त वर्ष की शुरुआत मजबूती से की है, अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं में प्रगति करते हुए और विकास की गति को बनाए रखते हुए। हमारी आय में 7 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ एबिटा मार्जिन में भी सुधार हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ में 51 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। हमारे व्यवसाय से जुड़ा एक प्रमुख हालिया अपडेट गुजरात में डीजीवीसीएल (दक्षिण गुजरात विज कंपनी लिमिटेड) द्वारा पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट-बी के तहत सोलर पंपों की आपूर्ति के लिए पैनल में शामिल होना है। इससे हमारी सोलर पंप सेगमेंट में उपस्थिति मजबूत हुई है और किसानों को टिकाऊ, जल-कार्यक्षम समाधान प्रदान करने के हमारे मिशन को बल मिला है।

पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना और 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' जैसी पहलों के साथ उद्योग में सकारात्मक रुझान मजबूत हो रहे हैं। हमारे सोलर ईपीसी और माइक्रो इरीगेशन दोनों व्यवसायों में मजबूत मांग बनी हुई है। रेसिडेंशियल रूफटॉप सोलर का अपनाना तेज़ी से बढ़ रहा है, और किसान आधुनिक सिंचाई तकनीकों की तरफ अधिक झुकाव दिखा रहे हैं – ये दोनों रुझान हमारी मुख्य ताकत के अनुरूप हैं।

हाल ही में किए गए वारंट रूपांतरणों ने हमारे पूंजी आधार को और मजबूत किया है और निवेशकों के निरंतर विश्वास को दर्शाया है। हमारी क्रेडिट रेटिंग में सुधार हमारे वित्तीय अनुशासन और मजबूत व्यावसायिक नींव को भी रेखांकित करता है। मज़बूत पाइपलाइन, बढ़ती उपस्थिति और नवाचार व निष्पादन पर स्पष्ट ध्यान के साथ हम आने वाले तिमाहियों में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार हैं।

कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड माइक्रो इरीगेशन उद्योग का अग्रणी खिलाड़ी है, जो विविध कृषि अनुप्रयोगों के लिए माइक्रो इरीगेशन उपकरण के निर्माण और निर्यात में विशेषज्ञता रखता है। 1997 में स्थापित, कंपनी 25 से अधिक वर्षों के अनुभव का लाभ लेती है और इसके निर्माण संयंत्र राजकोट (गुजरात) और कुरनूल (आंध्र प्रदेश) में स्थित हैं। कंपनी का मजबूत वितरण नेटवर्क भारत के 16 राज्यों में फैला हुआ है और माइक्रो इरीगेशन बाजार में इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सोनालीका ने कुल 53,772 ट्रैक्टर बिक्री के साथ

अप्रैल-जुलाई 2025 में नया रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन दर्ज किया

- अप्रैल-जुलाई 2025 में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद, सोनालीका त्योहारी सीज़न में किसानों की हर माँग को पूरा करने और भारत में अपने सबसे बड़े चैनल पार्टनर नेटवर्क के माध्यम से किसानों को खुशियाँ प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ने वित्त वर्ष 2026 के अपने सफ़र में लगातार प्रगति जारी रखी है और केवल 4 महीनों में 50,000 ट्रैक्टर बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने अप्रैल-जुलाई 2025 के बीच 53,772 ट्रैक्टरों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की है, जो कंपनी के इनोवेशन और मज़बूत मूल्यों को दर्शाता है, साथ ही घरेलू बाज़ार में ब्रांड के निरंतर विकास का आधार हैं। सोनालीका कृषक समुदाय को बेहतर फसल प्राप्त करने हेतु अत्याधुनिक कृषि मशीनीकरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सोनालीका का विश्व का नंबर 1 ट्रैक्टर प्लांट रोबोट द्वारा संचालित है जो 2 मिनट में एक हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर तैयार करने में सक्षम है। यह प्लांट उन्नत प्रक्रियाओं

से लैस है और यहाँ ट्रैक्टर में लगने वाली लगभग हर पार्ट बनाया जाता है - ताकतवर और ईंधन कुशल इंजन, बेहतरीन ट्रांसमिशन और उन्नत हाइड्रोलिक्स, जो विभिन्न क्षेत्रों में किसानों की क्षेत्र-केंद्रित ज़रूरतों को पूरा करते हैं। कंपनी आगामी त्योहारी सीज़न की माँग को पूरा करने और भारत में अपने सबसे बड़े चैनल पार्टनर नेटवर्क के माध्यम से किसानों के त्योहारों का आनंद सुनिश्चित करने हेतु पूरी तरह तैयार है।

नए रिकॉर्ड प्रदर्शन पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, हमारे हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर किसानों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद करने के उद्देश्य से तैयार किये गए हैं।

मित्सु केम प्लास्ट लिमिटेड ने 21 प्रतिशत शुद्ध लाभ वृद्धि की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। मित्सु केम प्लास्ट लिमिटेड (मित्सु, कंपनी) (बीएसई- 540078), ब्लो मोल्डेड और इंजेक्शन मोल्डेड उत्पादों के प्रमुख वैश्विक निर्माताओं में से एक और अस्पताल फर्नीचर घटकों, इन्फ्रास्ट्रक्चर उत्पादों, पैकेजिंग बोतलें, ड्रम, जैरिकैन, पेल्स और कैप्स में विशेषज्ञ मित्सु ने एफवाय26 की पहली तिमाही के लिए अपने बिना ऑडिट किए गए वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, मित्सु केम प्लास्ट लिमिटेड के अध्यक्ष श्री जगदीश देढिया उन्होंने कहा, हमें एफवाय26 की अच्छी शुरुआत करते हुए खुशी हो रही है, जिसमें की पहली तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ में 21 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। यह प्रदर्शन हमारे संचालन उत्कृष्टता, नवाचार और सभी हितधारकों के लिए स्थायी मूल्य सृजन के प्रति अडिग प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 2028 तक ?1,000 करोड़ की वार्षिक आय प्राप्त करने के लिए हमारी रणनीतिक रोडमैप सही दिशा में है, जिसे फर्नास्त्रा ब्रांड के तहत हमारे हेल्थकेयर फर्नीचर विभाग के लक्षित विस्तार और हमारे पैकेजिंग उत्पाद पोर्टफोलियो के विस्तार द्वारा समर्थित किया जा रहा है।

वैज्ञानिक विरासत पत्थर सफाई कार्यशाला पहली बार मध्यप्रदेश में आयोजित

भोपाल। संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, मध्यप्रदेश और इंटेक भोपाल ने विरासत पत्थर सतह सफाई के लिए तीन दिवसीय व्यवहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, मध्यप्रदेश, भोपाल विरासत संरक्षण से जुड़ी ज्ञान-वर्धक पहल में लगातार सराहनीय कदम उठा रहा है। इसी क्रम में, इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज भोपाल चैप्टर के सहयोग से, 5 से 7 अगस्त 2025 तक भोपाल में विरासत पत्थर सतह सफाई विषय पर तीन दिवसीय व्यवहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को पत्थर सतह सफाई की वैज्ञानिक विधियों की विस्तृत समझ प्रदान करना था, जो विरासत संरक्षण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सैद्धांतिक सत्रों और व्यवहारिक प्रदर्शन को मिलाकर, प्रशिक्षण का लक्ष्य जागरूकता और तकनीकी कौशल – दोनों में वृद्धि करना था। यह पहली बार था जब मध्यप्रदेश में केवल विरासत पत्थरों की वैज्ञानिक मैनुअल और मैकेनिकल सफाई पर केंद्रित ऐसी कार्यशाला आयोजित हुई। उद्घाटन सत्र में श्रीमती उर्मिला शुक्ला, आयुक्त, संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय मध्यप्रदेश; श्री मदन मोहन उपाध्याय, संयोजक, भोपाल चैप्टर; डॉ. मनीषा शर्मा, संयुक्त निदेशक, संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय मध्यप्रदेश; डॉ. मनोज कुमार कुर्मी, अधीक्षण पुरातत्वविद्, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भोपाल सर्किल और श्री मनोज शर्मा, सह-संयोजक, इंटेक भोपाल चैप्टर उपस्थित रहे। मौके पर बोलते हुए श्रीमती उर्मिला शुक्ला ने संरक्षण में वैज्ञानिक दृष्टिकोण की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यह समझना जरूरी है कि पत्थरों की सफाई वैज्ञानिक तरीकों से कैसे की जा सकती है। यह कार्यशाला हमारे दृष्टिकोण को और सुदृढ़ बनाएगी तथा कार्य की गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी। हम इंटैक के साथ अपने सार्थक सहयोग को आगे बढ़ाने के इच्छुक हैं। श्री मदन मोहन उपाध्याय ने कहा, इस कार्यशाला के माध्यम से हमारा प्रयास है कि हितधारकों को पत्थर सतह सफाई की नई तकनीकों से अवगत कराया जाए और देश की विरासत संरक्षण में योगदान दिया जाए। इसी क्रम में, सुश्री मनीषा शर्मा ने कहा, मध्यप्रदेश अनंतकालीन विरासत का धनी है।

फुटबॉलः

अंडर-20 महिलाओं के लिए 25,000 डॉलर के इनाम की घोषणा, एआईएफएफ ने किया एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने रविवार को अंडर-20 महिला टीम को 2006 के बाद पहली बार एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालिफाई करने पर 25,000 डॉलर की नकद प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। अंडर-20 महिला टीम सात अंक के साथ ग्रुप डी में शीर्ष पर रही और रविवार को यंगून में मेजबान म्यांमार पर 1-0 की जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। पूजा ने 27वें मिनट में निर्णायक गोल दागा। टीम ने इससे पहले इंडोनेशिया के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला था और तुर्कमेनिस्तान को 7-0 से हराया था। भारत ने क्वालिफायर में एक भी गोल नहीं खाया। एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप 2026 का आयोजन अप्रैल 2026 में थाईलैंड में होना है। एआईएफएफ ने इसका श्रेय भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से 'पिछले कुछ वर्षों में निरंतर योजना और विकासात्मक प्रयासों' को दिया है। एआईएफएफ की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि अस्मिता महिला फुटबॉल लीग जैसी पहल ने जमीनी स्तर पर ढांचे को मजबूत किया है जिसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष पंजीकृत महिला फुटबॉलरों की संख्या में '232त्न की वृद्धि' हुई है।

आई पी एल 2025 और चैंपियंस ट्रॉफी में क्यों फ्लॉप रहे, राशिद खान ने बताई बड़ी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। राशिद खान ने सर्जरी के बाद पहले टेस्ट मैचों में वापसी पर अफसोस जताया जबकि उन्हें ऐसा न करने की सलाह दी गई थी जिसके कारण चैंपियंस ट्रॉफी और आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन खराब रहा। अफगानिस्तान के क्रिकेट स्टार राशिद खान ने लंबे समय के बाद वापसी करते हुए टेस्ट मैच खेलने पर अफसोस जताया और इसे अपने शरीर पर पड़ने वाले असर के लिए जिम्मेदार ठहराया। इस दिग्गज स्पिनर ने 2023 के एकदिवसीय विश्व कप के बाद पीठ की सर्जरी करवाई थी, जिसके बाद वह 6 महीने से ज्यादा समय तक मैदान से बाहर रहे। राशिद ने जनवरी 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट मैच में वापसी की, लेकिन इससे उनके शरीर पर बुरा असर पड़ा और चैंपियंस ट्रॉफी और आईपीएल 2025 में उनके प्रदर्शन पर असर पड़ा। एक इंटरव्यू में राशिद खान ने कहा, जब मैं सर्जरी के बाद वापस आया तो मुझे बताया गया कि इतनी जल्दी लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी मत करो, यह तुम्हारे लिए अच्छा नहीं होगा। जब मैं 8-9 महीने बाद वापस आया तो मैंने टेस्ट क्रिकेट खेला। मैंने 65 ओवर गेंदबाजी की और इससे मुझे थोड़ा दर्द हुआ। मुझे लगा कि मुझे सफेद कपड़ों में नहीं होना चाहिए था, मेरा मतलब है कि टी20 ठीक है। उस समय मुझे एहसास नहीं हुआ, लेकिन बाद में मुझे लगा कि मैंने गलती की है। अफगानिस्तान के इस स्पिनर ने कहा कि उन्हें लगा कि एकमात्र उपाय यही है कि कुछ समय के लिए आराम किया जाए और अपने शरीर को आराम दिया जाए। आईपीएल 2025 में राशिद का प्रदर्शन हमेशा की तरह नहीं रहा, 15 मैचों में सिर्फ 9 विकेट ही ले पाए और साथ ही काफी महंगे भी रहे। आईपीएल 2025 में उनका इकॉनमी रेट 9.34 रहा, जबकि उनका करियर इकॉनमी रेट 7.08 रहा।

मुकेश अंबानी बुमराह को IPL खेलने से रोक देते?

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोटिल हैं. इंग्लैंड सीरीज के दौरान उन्हें चोट लगी जिसकी वजह से वो पांचवां टेस्ट मैच नहीं खेल पाए. यही नहीं इस खिलाड़ी को मैच से पहले टीम से ही रिलीज कर दिया. अब बुमराह का एशिया कप में नहीं खेलना भी तय माना जा रहा है. इस बीच जसप्रीत बुमराह पर पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर दिलीप वेंगसरकर ने बड़ा बयान दिया है. दिलीप वेंगसरकर ने कहा कि बुमराह की जिस तरह की फिटनेस है और जिस तरह उन्हें चोट लगती रहती है उसे देखते हुए उन्हें आईपीएल 2025 में हिस्सा नहीं लेना चाहिए था.

अन्नू-कुजूर और मुरली चमके, भारत की पहली विश्व महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिता में उम्मीदों पर खरे उतरे

भुवनेश्वर, एजेंसी। कुजूर ने शाम के सत्र में 200 मीटर फाइनल में 20.77 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। कोरिया के को सेउंघवान (20.95 सेकंड) और एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रागुल कुमार (21.17 सेकंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

स्टार धावक अनिमेष कुजूर, अनुभवी भाला फेंक एथलीट अन्नू रानी और लंबी कूद के दिग्गज एथलीट मुरली श्रीशंकर ने रविवार को भारत की पहली विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिता में अपनी अपनी स्पर्धाओं में जीत हासिल कर उम्मीदों पर खरे उतरे। विश्व एथलेटिक्स की कांस्य स्तर की यह प्रतियोगिता सुचारू रूप से चली, लेकिन इसमें वैश्विक दिग्गजों की भागीदारी काफी कम थी।

कुजूर का प्रदर्शन हालांकि नाटकीयता से भरा रहा। 22 वर्षीय इस एथलीट ने सुबह अपनी 100 मीटर की हीट रेस में कुछ कदम के बाद ही दौड़ना बंद कर दिया था।, वह आधे घंटे बाद अपनी 200 मीटर की हीट रेस में दौड़े और 20.99 सेकंड के समय के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने शाम के सत्र में 200 मीटर फाइनल में 20.77 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। कोरिया के को सेउंघवान (20.95 सेकंड) और एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रागुल कुमार (21.17 सेकंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया। कुजूर के नाम 100 मीटर (10.18 सेकंड) और 200 मीटर (20.32 सेकंड) दोनों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं। श्रीशंकर का मुकाबला उभरते हुए किशोर शाहनवाज खान से था। खान ने फरवरी में उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। 17 वर्षीय खान चौथे प्रयास में 8.04 मीटर की छलांग लगाकर शीर्ष पर थे, जबकि श्रीशंकर 7.95 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर थे। 26 साल के श्रीशंकर ने हालांकि अपने अंतिम प्रयास में 8.13 मीटर की छलांग लगाकर रोमांचक अंदाज में स्वर्ण पदक जीता। यह चोट के कारण लंबे समय से बाहर रहने के बाद वापसी पर उनका लगातार चौथा खिताब है। वह हालांकि तोक्यो विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर को हासिल करने में नाकाम रहे।

महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में एशियाई खेलों की चैंपियन अन्नू रानी ने चौथे प्रयास में 62.01 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता। इससे सितंबर में होने वाली तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाने की उनकी संभावना मजबूत हो गई। वह 64 मीटर के स्वतः क्वालीफिकेशन से दूर है लेकिन 'रोड टू तोक्यो' सूची में 30 वें पायदान पर है। इसमें सूची में शीर्ष 36 स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं। उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड 63.22 मीटर है। उन्होंने इसे 2022 में हासिल किया था। कलिंगा स्टेडियम में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारतीय प्रतिभागियों द्वारा 80 मीटर का आंकड़ा मुश्किल से पार कर पाने से दर्शक निराश हुए। श्रीलंका के रोमेश थरंगा पथिरागे ने 86.50 मीटर के अपने पहले प्रयास के साथ पुरुषों का भाला फेंक का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 85.50 मीटर के विश्व चैंपियनशिप के स्वतः क्वालीफिकेशन को भी पार कर लिया। भारत के 20 वर्षीय शिवम लोहकरे ने 80.73 मीटर के साथ रजत पदक जीता। श्रीलंका के सुमेधा रणसिंघ 80.65 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। भारत के रोहित यादव (80.35 मीटर) और एशियाई चैंपियनशिप के रजत विजेता सचिन यादव (79.80 मीटर) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। शैली सिंह ने 6.28 मीटर के औसत प्रदर्शन वाले छलांग के साथ महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा जीती।

भारतीय पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने श्रीलंका (3ः08.22) के बाद दूसरे स्थान पर रहकर निराश किया। टी. संतोष कुमार, विशाल टी.के., अमोज जैकब और धर्मवीर चौधरी की भारतीय चौकड़ी ने तीन मिनट 08.37 सेकंड का समय लिया। मलयेशिया के मुहम्मद अजीम बिन ने 10.35 सेकंड में 100 मीटर की दौड़ जीतकर मीट के सबसे तेज धावक का ख़िताब हासिल किया।

ऋषभ पंत निश्चित रूप से धोनी से आगे निकल जाएंगे: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि ऋषभ पंत अगर टेस्ट मैच खेलना जारी रखते हैं, तो वह इस फॉर्मेट में एमएस धोनी के कुल रनों के आंकड़े को पीछे छोड़ देंगे। पंत इंग्लैंड के खिलाफ हाल में संपन्न टेस्ट सीरीज में इंजरी के बाद रिकवरी की राह पर हैं।

आकाश चोपड़ा ने रविवार को अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, टेस्ट मैचों और रनों की संख्या के मामले में एमएस धोनी शीर्ष पर हैं। उन्होंने 90 मैच में 144 पारियां खेली हैं, जिसमें 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए हैं। उनके नाम छह शतक हैं। पंत ने पिछले पांच सालों में छह शतक लगाए हैं और कुल 8 टेस्ट शतक लगाए हैं। उन्होंने कहा, अगर हम कुल मिलाकर देखें, तो ऋषभ पंत आठ शतक लगा चुके हैं और एमएस धोनी छह शतक लगा चुके हैं। ऋषभ पंत पहले ही रनों की संख्या के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। वह एमएस धोनी से 1,400 रन पीछे हैं और लगभग आधे मैच खेल चुके हैं। अगर वह और खेलेंगे, तो जाहिर है कि वह एमएस धोनी से आगे निकल जाएंगे। चोपड़ा ने कहा, पंत ने अब तक 47 टेस्ट मैचों में 44.50 की औसत से 3,427 रन बनाए हैं। उनके शतकों की संख्या आठ है, जो धोनी के छह शतकों से दो ज्यादा है। क्या यह कहना सही होगा कि पंत भारत के लिए टेस्ट खेलने वाले सबसे महान विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया के अब तक के श्रेष्ठ विकेटकीपरों की सूची देखें तो एडम गिलक्रिस्ट ने 96 मैचों में 47.60 की औसत से 5,570 रन बनाए हैं। वह फिलहाल पंत से आगे हैं, लेकिन पीछे छूट सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट के सफलतम विकेटकीपर-बल्लेबाज की बात करें तो पहले स्थान पर श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा का नाम है। उन्होंने 134 टेस्ट मैचों में 12,400 रन बनाए। इसमें कुल 38 शतक हैं। इंग्लैंड के हालिया टेस्ट दौरे पर पंत ने सात पारियों में 68.42 की शानदार औसत से 479 रन बनाए। इसमें हेडिंग्ले में सीरीज के पहले मैच में लगाए दो शतक भी शामिल हैं।

● हरमनप्रीत बोलीं- टीम वर्ल्ड कप सूखा खत्म करने को तैयार

विमेंस वर्ल्ड कप ट्रॉफी लॉन्च हुई; 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में टूर्नामेंट

मुंबई, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि उनकी टीम अगले महीने से शुरू हो रही विमेंस वर्ल्ड कप में आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करना चाहती है और पूरा भारत हमारे वर्ल्ड कप जीतने का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से हमें अपनी तैयारियों का अंदाजा लग जाएगा कि हम कहां खड़े हैं। हरमनप्रीत ने ये बातें सोमवार को 30 सितंबर से भारत में होने जा रहे विमेंस वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी लॉन्चिंग सेरेमनी में कहीं।

इस मौके पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह, आईसीसी के चेयरमैन जय शाह और बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया भी मौजूद रहे। भारतीय महिला टीम ने कभी-भी वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी है। टीम ने 2017 में फाइनल तक का सफर किया था, लेकिन इंग्लैंड से हारकर टीम रनरअप रही थी। 14 सितंबर से शुरू होगा ऑस्ट्रेलिया का भारत दौरा विमेंस वर्ल्ड कप शुरू होने से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत का दौरा करेगा।

14 सितंबर से शुरू हो रहे इस दौरे में 3 वनडे मैच खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप में भारत का पहला मैच विमेंस वर्ल्ड कप में भारत का पहला मैच 30 सितंबर को श्रीलंका के खिलाफ बेंगलुरु में खेला जाना तय हुआ है, लेकिन यह मैच शिफ्ट हो सकता है। जानकारी के अनुसार, कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन को इस मैच के आयोजन के लिए अभी तक कर्नाटक सरकार से मंजूरी नहीं मिली है।

टिम डेविड ने सूर्यकुमार यादव का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा, टी-20 में पहली बार खेली इतनी ज्यादा गेंदें

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ ऑलराउंडर टिम डेविड ने सूर्यकुमार यादव का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले पहले टी20 के बाद ये कमाल की उपलब्धि उनके नाम हुई. टिम डेविड ने ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका के बीच खेले पहले टी20 में जो किया, उसके बाद उन्होंने सिर्फ सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड ही नहीं तोड़ा बल्कि ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो भी बने. इतना ही नहीं, उन्होंने अपने टी20 करियर की सबसे ज्यादा गेंदें भी एक पारी में इसी मुकाबले में फेस की. साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 178 रन बनाए. इसमें 83 रन अकेले टिम डेविड के बल्ले से निकले. इस पारी के दौरान टिम डेविड ने 12 बाउंड्रीज लगाईं, जिसमें से 8 सिर्फ छक्के रहे. मगर उसके बावजूद उन्होंने इतनी गेंदें खेली, जितनी टी20 करियर में पहले कभी किसी इनिंग में नहीं खेली.

टिम डेविड ने अपनी इनिंग में 52 गेंदों का सामना किया. ये पहली बार है जब उन्होंने 50 से ज्यादा गेंदें खेली है. इससे पहले उन्होंने सबसे ज्यादा 46 गेंद किसी एक टी20 इनिंग में 2020 में हॉन्ग-कॉन्ग के खिलाफ खेली थी.

टिम डेविड ने तोड़ा सूर्यकुमार का वर्ल्ड रिकॉर्ड

अब सवाल है कि टिम डेविड ने सूर्यकुमार यादव का बनाया कौन सा वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा है? ये वर्ल्ड रिकॉर्ड टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट का है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ 10 अगस्त को खेले पहले अ के बाद टिम डेविड अब सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज बन गए हैं. सूर्यकुमार यादव का स्ट्राइक रेट टी20 इंटरनेशनल में 167.07 का है. जबकि टिम डेविड की स्ट्राइक रेट 167.37 की हो चुकी है.

ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को हराया

साउथ अफ्रीका की टीम के सामने 179 रन का लक्ष्य था. लेकिन, उसका पीछा करते हुए वो 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन ही बना सके. ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबला 17 रन से जीता और इसी के साथ 3 टी20 की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल की।

मेसी की अनुपस्थिति में इंटर मियामी की हार

लंदन, एजेंसी। मई में एफए कप फाइनल में मैनचेस्टर सिटी को उलटफेर का शिकार बनाने के बाद पैलेस ने एक बार फिर कुछ विषम परिस्थितियों से पार पाकर मैच 2-2 से ड्रॉ होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की। क्रिस्टल पैलेस ने इस सत्र में अपना शानदार अभियान जारी रखा और प्रीमियर लीग चैंपियन लिवरपूल को हराकर वेम्बली में एक और उलटफेर करते हुए कम्युनिटी शील्ड फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। वहीं, दूसरी तरफ इंटर मियामी को सुपरस्टार लियोनल मेसी की अनुपस्थिति में मेजर लीग सॉकर फुटबॉल टूर्नामेंट के एक मैच में ऑरलैंडो सिटी से 4-1 से करारी हार का सामना करना पड़ा।

क्रिस्टल पैलेस की शानदार जीतः मई में एफए कप फाइनल में मैनचेस्टर सिटी को उलटफेर का शिकार बनाने के बाद पैलेस ने एक बार फिर कुछ विषम परिस्थितियों से पार पाकर मैच 2-2 से ड्रॉ होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की। पैलेस की इस जीत के नायक गोलकीपर डीन हेंडरसन रहे। उन्होंने शूटआउट में दो पेनल्टी बचाई। हेंडरसन ने मैच के बाद कहा, यह अविश्वसनीय है। लिवरपूल जीत का प्रबल दावेदार था। उसके पास कुछ शानदार खिलाड़ी हैं और उनकी टीम मजबूत है। हमने तीन महीने के अंदर दो ट्रॉफी जीती हैं। यह अविश्वसनीय है। एफए कप में जीत के साथ पैलेस ने अपने इतिहास में पहली बड़ी ट्रॉफी जीती थी और अब कम्युनिटी शील्ड जीतकर उसने साबित कर दिया कि उसकी पिछली जीत महज संयोग नहीं थी।

इंटर मियामी की करारी हारः मेसी दाहिने पैर में चोट लगने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए और मियामी को उनकी बड़ी कमी खली। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी को यह चोट दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में लगी थी। मेसी ने अपने क्लब के 23 मैचों में से 18 मैच में खेलते हुए 18 गोल किए हैं। ऑरलैंडो सिटी की तरफ से लुइस मुरील ने प्रत्येक हाफ में एक गोल किया जबकि मार्टिन ओजेडा ने एक गोल करने के अलावा एक गोल में मदद की। मुरील ने ओजेडा की मदद से दूसरे मिनट में गोल करके ऑरलैंडो सिटी को बढ़त दिलाई, जो केवल तीन मिनट तक कायम रही। यानिक ब्राइट ने अपने 40वें मैच में अपना पहला गोल करके इंटर मियामी को बराबरी पर ला दिया।

एशिया कप में हार्दिक पंड्या के खेलने पर सस्पेंस

● NCA में पास करना होगा फिटनेस टेस्ट, इस खिलाड़ी की एंट्री तय!

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 अगले महीने की 9 तारीख से शुरू होगी और इसका खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा. एशिया कप इस बार संयुक्त अरब अमीरात के दो शहरों दुबई और अबूधाबी में होना है. इस टूर्नामेंट में 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाना है, जिसपर सभी की निगाहें हैं. एशिया कप 2025 से पहले भारतीय टीम की टेंशन बढ़ चुकी हैं. टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव अब तक पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं और वो बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं. सूर्यकुमार यादव को पूरी तरह फिट होने में अभी कम से कम एक हफ्ता और लग सकता है. सूर्यकुमार ने जर्मनी में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी. इसके चलते वो क्रिकेटिंग एक्शन से दूर हैं.

उधर ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की फिटनेस सवालों के दायरे में है. हार्दिक पंड्या फिटनेस टेस्ट देने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहुंचे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक हार्दिक फिटनेस टेस्ट 11 और 12 अगस्त को होगा. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की समाप्ति के बाद हार्दिक पंड्या क्रिकेटिंग एक्शन से दूर थे, हालांकि उन्होंने एक महीने पहले ही ट्रेनिंग शुरू कर दी थी. हार्दिक ने इंस्टाग्राम पर लिखा था, एनसीए की एक छोटी सी ट्रिप.

श्रेयस अय्यर की वापसी तय : स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की एशिया कप के लिए भारतीय टी20 टीम में वापसी हो सकती है. श्रेयस अय्यर 27 से 29 जुलाई के दौरान फिटनेस टेस्ट पास कर चुके हैं. श्रेयस अय्यर ने दिसंबर 2023 के बाद से कोई टी20 इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेला है, लेकिन भारतीय चयनकर्ता उनके अनुभव और क्लास को देखते हुए टी20 टीम में शामिल कर सकते हैं. घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में लगातार अच्छे प्रदर्शन के चलते श्रेयस अय्यर का दावा मजबूत नजर आ रहा है. एशिया कप 2025 में कुल आठ टीमें भाग लेने जा रही हैं. इस टूर्नामेंट के लिए हार्दिक पांड्या की मौजूदगी काफी अहम होगी. हार्दिक आक्रामक बल्लेबाजी, धारदार सीम बॉलिंग और बेहतरीन फील्डिंग के लिए जाने जाते हैं. उनकी फिटनेस पर कड़ी नजर रखी जा रहगी है क्योंकि भारतीय टीम मैनेजमेंट उनसे तीनों डिपार्टमेंट में अपना 100 प्रतिशत देने की अपेक्षा रखती है. भारतीय चयनकर्ता एशिया कप के लिए टीम का ऐलान करने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन इसी बीच सभी की नजरें हार्दिक पांड्या की फिटनेस और सूर्यकुमार यादव की रिकवरी पर टिकी हैं. ये दोनों भारत के लिए एक बार फिर एशिया कप खिताब जीतने की राह में गेमचेंजर साबित हो सकते हैं. एशिया कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान अगस्त के तीसरे हफ्ते में किया जा सकता है।

सनातन ग्रंथ वेदौं का सार उपनिषदों द्वारा प्रकृति को संदेश

भोपाल । अखिल विश्व सत्य सनातन संघ के अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष उदित भदोरिया ने अपने नियमित व्याख्यान के क्रम में वेदों का सार उपनिषदों की व्याख्या करते हुए बताया कि हजारों साल पहले हमारे ऋषियों के द्वारा प्रकृति का एक खाका तैयार किया गया जो कभी ना खत्म होने वाले सिद्धांत पर आधारित है। उन्होंने बताया कि 108 उपनिषद हैं।इंसान की सोच की एक लिमिटेड सीमा है परंतु उपनिषदों के अनुसार पूरी सृष्टि ब्रह्मांड के नायक चला रहे हैं। पूरा ब्रह्मांड प्रत्येक मानव के अंदर मौजूद है। दुनिया में कुछ भी अपवित्र नहीं है सब कुछ दिव्य चेतना से भरा है। आज के युग में हम मालिक बनना पसंद करते हैं, जबकि मात्र दृष्टा भाव होना चाहिए। यही हमारी भूल है। त्याग के साथ भोग होना चाहिए दुनिया में भोगो पर मालिक की तरह मोह नहीं होना चाहिए। यह मोह ही हमें नीचे गिरा देता है। राजा जनक देंह में रहकर भी मोह से ग्रस्त नहीं थे। शरीर को भी महत्व ना देते हुए मात्र एक आत्मा मानते थे। देह से मोह न होने के कारण ही उन्हें विदेह कहा जाता है। जो हो रहा है होने दो तुम तो एक किराएदार हो। हर चीज में ईश्वर को देखो प्रकृति से शिकायत करना बंद करो, बल्कि जो आपको मिला है उसका शुक्रिया परमात्मा को दो। यह उपनिषदों में प्रमुखता से लेख है निष्काम कर्म के अंतर्गत हमें कोई भी कार्य इसलिए नहीं करना चाहिए कि उसका फल मिले, बस लगन से कर्म करते जाओ। समय आने पर परमात्मा स्वयं जानता है, क्योंकि वह मूल्यांकन कर्ता है और आपका निष्काम भाव देखता है।अतः जो कार्य आपको मिला है यह परमात्मा के द्वारा दिया गया एक कार्य है यह मानकर कोई भी कार्य करना चाहिए?मुझे क्या मिलेगा यह नहीं सोचना चाहिए मैं प्रकृति को क्या दे सकता हूं, यह भाव होना चाहिए?आत्मा अजर अमर है ना उसका जन्म होता है ना उसकी मृत्यु होती है। जैसे पुराने कपड़ों को जर्जर हो जाने पर मानव त्याग देता है और नए वस्त्र धारण करता है ठीक उसी तरह आत्मा शरीर रूपी कपड़ों को त्याग कर दूसरे वस्त्र को धारण करती है। यमराज और नचिकेता के बीच का संवाद भी इसी तरह है। आज प्रत्येक मानव मौत एवं नुकसान से डरता है और उसे भविष्य की चिंता सताती है, जबकि कर्म पर आपका अधिकार है, फल पर नहीं। वर्तमान अच्छा होना चाहिए उसी से भविष्य बनता है फिर भविष्य की चिंता क्यों? उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक एवं दार्शनिक जीवन जीने की पद्धति है। उपनिषदों में ब्रह्म आत्मा को कहा है, दूसरा अंतरात्मा जो अंदर बैठा है तीसरा परमात्मा जो सब देख रहा है। मानव की एवं समाज की उन्नति के लिए वेदों का सार उपनिषद है।

हनुमान चालीसा सामूहिक पाठ अभियान का वार्षिक कार्यक्रम संपन्न, 500 भक्तों ने किया वाचन

- **छींद धाम भक्त मंडल का 53 सप्ताह से निरंतर आयोजन**
- **भक्ति, भजन और भंडारे के साथ हुआ भव्य समापन**

मंडीदीप। छींद धाम के भक्तों द्वारा शुरू किया गया श्री हनुमान चालीसा सामूहिक पाठ अभियान इस मंगलवार अपने पहले वर्ष को पूर्ण करने के उपरांत द्वितीय वर्ष में प्रवेश कर गया। इस अवसर पर मंडीदीप के तुलसी मैरिज गार्डन में भव्य वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। राम दरबार की सुंदर झांकी के सामने सुबह 10 बजे से सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का शुभारंभ हुआ, जिसमें नगर के गणमान्य नागरिक, महिलाएं, युवा और बच्चे शामिल हुए। पाठ और आरती के बाद भजनों का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने नृत्य कर भक्ति का आनंद लिया।

- भव्य आयोजन में नगर के गणमान्य हुए शामिल :-मंडल संरक्षक जगदीश सोनी ने बताया कि आने वाले समय में इस कार्यक्रम को और अधिक भव्य स्वरूप दिया जाएगा, ताकि युवाओं के साथ बुजुर्ग और महिलाएं भी बड़ी संख्या में जुड़ें। इस अवसर पर नगर से प्रमुख रूप से राजेंद्र अग्रवाल बब्लू भैया, विपिन भार्गव, बद्री सिंह चौहान, मेरा अखाड़े के संत, दाहोद वाले महाराज, प्रेमशंकर साहू, गौतम लोवंशी, दीपेश मीना, गेंदा पाल, जीवन पाल, मुरली धरमवाणी, ओमप्रकाश मीणा, पवन श्रीवास्तव, महेंद्र मैथिल, राजेंद्र शर्मा, कृष्ण कुमार चौबे, श्रीमती पूर्णिमा जैन, मिथलेश रघुवंशी, अखिलेश भार्गव समेत अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।
- सदस्यों ने संभाली व्यवस्थाएं, लक्ष्य 51 मंदिरों में पाठ :- कार्यक्रम का आयोजन छींद भक्त मंडल द्वारा किया गया। स्वागत व्यवस्था में सोनल दीक्षित ने सभी आगंतुकों का तिलक लगाकर, रामनाम का दुपट्टा ओढ़ाकर और हनुमान चालीसा की पुस्तक भेंटकर स्वागत किया। भोजन व्यवस्था राम निवास पाल के नेतृत्व में हुई, जबकि अन्य व्यवस्थाओं में बालाप्रसाद लोवंशी, राजेश मालवीय, अर्जुन सिंह मीणा, हरिओम नामदेव, अचल सिंह तोमर, हरिओम साहू, सुनील वर्मा, लक्ष्मण राय, विनोद मालवीय, भजन गायक ठाकुर का योगदान रहा। संचालन कर रहे भीम सिंह मीना ने बताया कि इस वर्ष का लक्ष्य 51 मंदिरों में हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ प्रारंभ कराना है, जिसके लिए सदस्य मंदिरों के पुजारियों और आसपास के श्रद्धालुओं से संपर्क करेंगे।

डिसेंट स्कूल में मनाया गया श्री कृष्ण जन्म महोत्सव

छतरपुर। डीसेंट इंग्लिश स्कूल में श्री कृष्ण जन्म महोत्सव मनाया गया। इस दौरान नन्हें बच्चों ने राधा कृष्ण बनकर श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का प्रदर्शन कर सभी का दिल जीता। बच्चों ने राधा कृष्ण के गीतों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी।पूरे स्कूल परिसर की हुई भव्य सजावट, विद्यालय परिसर को शिक्षिकाओं द्वारा सजाया गया। जगह जगह दही-हांडी लगाई गयी। हमारे नौनिहाल राधा - कृष्ण तथा गोप - गोपी की वेशभूषा में तैयार होकर आकर्षण का केंद्र बने हुए थे।नन्हें बच्चों ने राधा कृष्ण की वेशभूषा में अपनी बाल लीलाओं से सभी का मन मोह लिया। उन्होंने कृष्ण की मटकी फोड़ने की लीला और की सुदामा कृष्ण का मिलाप की झांकी भी प्रस्तुत की।बच्चों ने राधा कृष्ण के गीतों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी।जन्माष्टमी के पावन पर्व पर विद्यालय के प्रबंधक श्री अशोक दुबे व प्रबंधिका श्रीमती मयूरी दुबे ने सभी को जन्माष्टमी की बधाई देते हुए विभिन्न जीवन मूल्यों जैसे मित्रता, प्रेम, सद्भावना को अपनाने की प्रेरणा दी।

हर-घर तिरंगा अभियान के तहत छतरपुर में निकली तिरंगा बाइक रैली

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने कहा स्वच्छता के साथ मनाएं स्वतंत्रता का उत्सव

छतरपुर। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य मं मंगलवार को हर-घर तिरंगा, हर-घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान के तहत जिला मुख्यालय पर विशाल तिरंगा बाईक रैली निकाली गई, जिसमें जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ शहरवासियों ने भाग लिया। इस मौके पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के साथ मनाने का आवाहन किया। रैली का शुभारंभ शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 से हुआ, जिसे अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा यात्रा छत्रसाल चौराहा, चौक बाजार रोड, महल तिराहा, बड़ा तालाब, पुलिस लाइन होते हुए पुनः उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 में संपन्न हुई। इस अवसर पर छतरपुर विधायक ललिता, नगरपालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया, कलेक्टर पार्थ जैसवाल, एसपी अगम जैन, जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, एसडीएम अखिल राठौर, सीएमओ माधुरी शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, श्रीकृष्णा यूनिवर्सिटी का स्टाफ, छात्र-छात्राओं सहित 25 अन्य विद्यालयों के बच्चे शामिल हुए। डीजे पर बज रहे देशभक्ति के गीतों के साथ तिरंगा बाइक रैली ने आम नागरिकों में देशभक्ति की भावना जागृत करते हुए 13 से 15 अगस्त तक अपने घरों में तिरंगा फहराने का संदेश दिया। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने बताया कि जिला मुख्यालय के अलावा जिले में ब्लॉक और जनपद स्तर पर भी तिरंगा यात्रा निकाली

जा रही है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय पर्व को भव्यता प्रदान करना और लोगों में देशप्रेम की भावना जागृत करना है। चर्चा का विषय बना छतरपुर नगर पालिका का सेल्फी प्वाइंटः- उक्त आयोजन के तहत छतरपुर नगर पालिका द्वारा छत्रसाल चौराहे पर बनाया गया सेल्फी प्वाइंट उस वक्त चर्चा का विषय बन गया, जब बैरीकेड लगाकर इसे बंद कर दिया गया। दरअसल नगर पालिका द्वारा छत्रसाल चौराहे पर एक प्रदर्शनी और सेल्फी प्वाइंट बनाया गया था, ताकि लोग यहां से तिरंगा खरीदने के बाद अपनी सेल्फी निकाल सकें। सुबह के वक्त कुछ देर तक यह प्रदर्शनी और सेल्फी प्वाइंट चालू था। कुछ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने यहां तस्वीरें भी खिंचवाई लेकिन इसके बाद जब आम लोग यहां पहुंचे तो सेल्फी प्वाइंट को बैरीकेड लगाकर बंद कर दिया गया, जिसके बाद तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। कुछ लोगों ने इसे सरकारी धन में सेंध लगाने का तरीका करार देते हुए नगर पालिका पर सवाल भी खड़े किए। हालांकि प्रदर्शनी चालू थी, जहां स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए तिरंगों की बिक्री होती रही। लोगों ने छोटे झंडों के लिए 15 रुपए और बड़े झंडों के लिए 25 रुपए वाली रसीद कटवाकर झंडे प्राप्त किए। सेल्फी प्वाइंट के मुद्दे पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी का जवाब लेने के लिए उनसे संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने फोन उठाना उचित नहीं समझा।

ईशानगर में भी निकली तिरंगा यात्रा

जिले के ईशानगर कस्बे में भी मंगलवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत भव्य बाइक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष भरत गुप्ता के नेतृत्व में यह यात्रा ग्राम पंचायत कार्यालय से शुरू होकर महावीरन तालाब तक गई और पुनः ग्राम पंचायत कार्यालय पर समाप्त हुई। यात्रा में भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. रमेश रिछारिया, जीतू दुबे, मिंटू दुबे, छोटू तोमर, रोहित अग्रवाल, विजय दुबे सहित युवा मंडल और भारी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे। इस दौरान सरपंच निधि मिश्रा ने स्वच्छता अभियान चलाकर झाड़ू लगाई और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। यात्रा ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और देशभक्ति का संदेश पूरे क्षेत्र में फैलाया।

बिजावर में देशभक्तों ने दिखाया जोश और उत्साह

बिजावर की बाइक रैली को तिरंगा लहराकर जनपद कार्यालय के सामने से रवाना किया गया। रैली में सैकड़ों देशभक्तों ने जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लिया, जिन्होंने हाथों में तिरंगा थामकर देशभक्ति के नारों से नगर को गर्व और एकता की भावना से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर छतरपुर कलेक्टर पार्थ जैसवाल, जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, जनपद उपाध्यक्ष, नगर पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। रैली ने पूरे नगर में राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और देशभक्ति का संदेश फैलाया

व्यापारियों ने कहा जो भी क्रय-विक्रय होगा वह भारत की चीजों का

प्रकाश मीरचंदानी ने दिलाई स्वदेशी अपनाने की लोगों को शपथ

भोपाल

अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर टेरिफ बढ़ाए जाने के बाद आए संकट को टालने के लिए स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक उत्पादन एवं उनका ही इस्तेमाल किए जाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान का व्यापक असर देखने को मिल रहा है। राजधानी के जुटे अनेक व्यापारियों के बीच प्रदश भाजपा के पूर्व प्रवक्ता एवं अभा सिंधी समाज के संरक्षक प्रकाश मीरचंदानी ने कहा कि भारत आज दुनिया की बहुत बड़ी आर्थिक शक्ति बनने पर अग्रसर है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर हालत में स्वदेशी वस्तुओं के उत्पादन व उनके इस्तेमाल पर जो, दे रहे हैं, इसलिए हमारा दायित्व बनता है कि हम भी देश को मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी वस्तुओं का ही इस्तेमाल करें, ताकि घरेलू उद्योग धंधे फ्ले फूले और किसी बाहरी मुल्क पर हम निभर न रहें।

पांच स्वदेश प्रण : इस अवसर पर प्रकाश मीरचंदानी के साथ सभी व्यापारियों ने प्रण लिया कि स्वच्छता, टूथपेस्ट स्वदेशी ही करना, कोलगेट, क्लोजप आदि का इस्तेमाल नहीं करेंगे। नहाना धोना के अन्तर्गत लक्स, लिरिल, लाइफब्राय, डिटोल आदि का इस्तेमाल नहीं करेंगे। कपड़े जूते के अन्तर्गत डेनिम, ली या अन्य विदेशी ब्रांड के कपड़े का इस्तेमाल नहीं करेंगे। इसी तरह खाने व पीने में पेस्पी, कोका कोला, डेमिनो, मैकडोनल्ड आदि का इस्तेमाल नहीं होगा। हमेशा अपनी मातृ भाष व राष्ट्रभाषा का प्रयोग करेंगे।

व्यापारियों को दिलाया संकल्प : इस अवसर पर मौजूद अनेक कारोबारियों को संकल्प दिलाते हुए प्रकाश मीरचंदानी ने कहा कि भारत को आर्थिक रूप से सुरक्षित, समृद्ध और स्वावलंबी बनाने के लिए हम संकृप करते हैं कि अपने घर परिवार, व्यापार में स्थानीय और स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देंगे। चाइनीज, तुर्की, अमेरिकी और अन्य विदेशी कम्पनियों के उत्पादों के प्रयोग से बचेंगे। स्वदेशी क्रय विक्रय, स्वदेशी भाषा, वेशभूषा, उत्सव पद्धति पर आग्रह करेंगे। गुणवत्तपूर्ण रोजगार उद्यमिकता से आता है इसका सब प्रकार से प्रचार प्रसार करेंगे हर घर स्वदेशी के विचार को जन जन तक पहुंचाने के लिए प्रथत प्रयास करेंगे। विश्व पटल पर भारत की जय जयकार कराने हेतु सब प्रकार से प्रयत्न करेंगे।

एयरपोर्ट पर गैर यात्रियों का प्रवेश बंद

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर उठाया कदम, सुरक्षा सख्त

भोपाल । स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर हर बार की तरह इस साल भी सोमवार 11 अगस्त से 20 अगस्त तक राजा भोज एयरपोर्ट पर सह यात्रियों का प्रवेश बंद कर दिया गया है। अब केवल हवाई जहाज से यात्रा करने वालों को ही प्रवेश दिया जाएगा। किसी भी गैर यात्री का एयरपोर्ट के भीतर प्रवेश पूरी तरह से वर्जित रहेगा। अपने सगे संबंधियों को सशुल्क पास लेकर भीतर तक छोड़ने जाने वालों को आगामी दस दिन एयरपोर्ट के बाहर से ही घर लौटना पड़ेगा।

सामान की सघन चैकिंगःइधर स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था पहले से अधिक पुख्ता की गई है। सामान्य यात्रियों से भी सामान्य दिनों की तुलना में कम से कम एक से डेढ़ घंटा पहले एयरपोर्ट पर पहुंचने का आग्रह किया गया है ताकि उनके सामान की अच्छी तरह से जांच की जा सके। यात्रियों से आग्रह किया गया है कि वे अपने साथ ऐसा कोई सामान लेकर यात्रा न करें, जो एयरपोर्ट पर प्रतिबंधित है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक,मुद्रक,एवं संपादक, कल्याण मल जैन द्वारा समता प्रिंटर्स , बी-15 प्रेस कापलेस, जोन-1 एमपीनगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित कराकर शॉप नबर 3 एस के टॉवर , अल्पना टॉकीज के पीछे भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक- कल्याण मल जैन , मो.8349212122, स्थानीय संपादक-कथक मल जैन। समाचार चयन के लिए पीआरबी एट के तहत जिमेदार (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।) RNI.NO.MPHIN/2013/54854